आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!

वर्ष-11। अंक 116। मूल्य - 2 रुपए । पृष्ठ-08 । नगर संस्करण

इंदौर, रायपुर व भोपाल से एक साथ प्रकाशित

दैनिक

आदित्य भारत

सदैव सत्य के साथ...

इंदौर,
गुरुवार,
01 मई,
2025

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुले : चारधाम यात्रा शुरू

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट बुधवार को अक्षय तृतीया के दिन श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। इसके साथ ही करीब 6 महीने तक चलने वाली चार धामयात्रा की विधिवत शुरुआत हो गई। सबसे पहले आज सुबह मां गंगा की डोली मुखबा से गंगोत्री धाम पहुंची। राजपूताना राइफल्स के बैंड की धुनों के बीच गंगा की पूजा-अर्चना की गई। हेलिकॉप्टर से मंदिर पर फूल बरसाए गए। गंगोत्री के बाद यमुनोत्री धाम के कपाट सुबह 11:55 बजे खोले गए। इससे पहले यमुना की उत्सव डोली यमुनोत्री धाम पहुंची। पूजा-अर्चना के बाद यमुनोत्री के कपाट खोले गए। उत्तराखंड के CM पुष्कर सिंह धामी ने भी गंगोत्री-यमुनोत्री धाम पहुंचकर पूजा-अर्चना की। गंगोत्री-यमुनोत्री के बाद अब 2 मई को केदारनाथ और 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले जाएंगे।

जनगणना के साथ होगी जातीय जनगणना

एजेंसी ● नई दिल्ली

केंद्र की नरेन्द्र मोदीसरकार ने अगली जनगणना के साथ ही जातिजातीय जनगणना कराने का फैसला किया है। इसके साथ ही पीएम मोदी ने विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के सियासी तरकश से एक और तीर निकाल लिया है। इंडिया गठबंधन के कई नेता और खासकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार अपनी सभाओं और पदयात्राओं में जातीय जनगणना की मांग कर रहे थे लेकिन अचानक इसका फैसला कर प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों से उसका मुद्दा लगभग छीन लिया है।

राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जनगणना केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आती है लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जाति गणना की है। वैष्णव ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों ने राजनीतिक कारणों से जाति आधारित सर्वेक्षण कराया गया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का संकल्प है कि आगामी अखिल भारतीय जनगणना प्रक्रिया में जातिगत गणना को पारदर्शी तरीके से शामिल किया जाएगा। भारत में प्रत्येक 10 साल में होने वाली जनगणना अप्रैल 2020 में शुरू होनी थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण इसमें देरी हुई। आसान शब्दों में कहें तो अब जनगणना में यह भी पता चलेगा कि देश में किस जाति के कितने लोग हैं। सरकार का मानना है कि इससे विकास योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने में मदद मिलेगी।

देशव्यापी जाति जगगणना कराने का फैसला कर मोदी सरकार ने कांग्रेस के सामने लंबी लकीर खींच दी है। बिहार इकलौता ऐसा राज्य है जहां जाति आधारित सर्वे रिपोर्ट को सार्वजनिक किया गया। हालांकि, कोर्ट के आदेश की वजह से उस पर रोक लग गई है। आंध्र और तेलंगाना में जाति आधारित सर्वे शुरू हुआ लेकिन उसकी रिपोर्ट नहीं आई। कर्नाटक ने हाल ही में इस तरह की कोशिश की लेकिन उस रिपोर्ट को सदन के टेबल पर नहीं रखा जा सका और उस पर विवाद हो उठा है।

बिहार चुनाव में मिल सकेगा लाभ

माना जा रहा है कि इसका त्वरित सियासी लाभ इस साल होने वाले बिहार विधानसभा चुनावों में भाजपा और उसके सहयोगी दलों को मिल सकेगा। इसके बाद अगले साल होने वाले बंगाल और तमिलनाडु चुनावों में भी भाजपा इसे भुनाने की कोशिश करेगी। कांग्रेस समेत राजद, समाजवादी पार्टी और डीएमके सरीखी पार्टियां भाजपा को जाति जनगणना का विरोधी करार देती रही हैं लेकिन पीएम मोदी के इस एक दांव ने उनके आरोपों की धज्जियां उड़ा दी हैं। इतना ही नहीं, भाजपा के ऐलान से विपक्षी दलों का संविधान और आंबेडकर नैरेटिव फेल हो सकता है। साथ ही उत्तर प्रदेश में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के PDA नैरेटिव को भी झटका लग सकता है। यूपी में 2027 में चुनाव होना है। संभव है कि 2026 में ही सरकार अगली जनगणना कराए।

पीएम मोदी का 'दांव' विपक्षी दलों से मुद्दा छीना

पाकिस्तान के लिए बंद किया अपना एयरस्पेस

एजेंसी ● नई दिल्ली

पहलगाम हमले परसंभावित मिलिट्री एक्शन के बीच भारत ने पाकिस्तान के लिए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया है। 30 अप्रैल से 23 मई तक के लिए एयरस्पेस बंद किया गया है। इस दौरान पाकिस्तान रजिस्टर्ड, ऑपरेटेड या लीज की विमानों समेत पाकिस्तानी मिलिट्री एयरक्राफ्ट को इस क्षेत्र में घुसने की इजाजत नहीं होगी।

पाकिस्तान का एयरस्पेस बंद किए जाने के बाद उसकी विमानों को बड़ा आर्थिक नुकसान होगा। मसलन, पाकिस्तान की विमानें पहले भारत के एयरस्पेस का इस्तेमाल करके चीन, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया और श्रीलंका जाया करती थी, लेकिन अब

एयरस्पेस बंद किए जाने के बाद उसकी विमानों को लंबी दूरी तय करके फिर इन देशों में जाना पड़ेगा।

पीआईए ने रद्द कीं उड़ानें

भारत के एयरस्पेस बंद किए जाने से पहले उर्दू दैनिक 'जंग' के हवाले से खबर है कि पीआईए ने कराची और लाहौर से स्कार्दू तक की दो-दो उड़ानें रद्द कर दी हैं। इस्लामाबाद से स्कार्दू और गिलगित तक की कुल छह उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं। पाकिस्तान ने अपने एयरस्पेस की निगरानी को भी कड़ा कर दिया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून मुताबिक, सभी कॉमर्शियल उड़ानें सुरक्षा चिंताओं के चलते रद्द कर दी गई हैं। पाकिस्तान अथॉरिटी ने सभी एयरपोर्ट्स को हाई अलर्ट पर रखा है।

केन्द्र सरकार टाइम लाइन घोषित करे : राहुल गांधी

केंद्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराने की घोषणा के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की और सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कुछ अहम मांगें सरकार के समक्ष रखीं है। उन्होंने कहा, हमने जातिगत जनगणना करवाने की बात कही थी। अब केंद्र सरकार ने जाति जनगणना कराने का ऐलान किया है, तो हम समर्थन देते हैं। लेकिन ये जनगणना कब कराई जाएगी इसकी जानकारी देनी होगी। उन्होंने कहा, "हम मोदी जी की इस बात से सहमत हैं कि देश में सिर्फ चार जातियां हैं - गरीब,

मध्यम वर्ग, अमीर और बहुत अमीर। लेकिन इनके भीतर कौन कहां खड़ा है, यह जानने के लिए जातिगत जनगणना जरुरी है। केंद्र सरकार टाइमलाइन घोषित करे, उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्र सरकार तेलंगाना सरकार की तरह सर्वे मॉडल अपनाए। जातिगत आंकड़ों के आधार पर आरक्षण की वर्तमान संवैधानिक सीमा को हटाना जरुरी है। लालू यादव ने कहा कि इन संघियों को अपने एजेंडा पर नचाते रहेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा, यह हमारी 30 साल पुरानी मांग थी। यह हमारी, समाजवादियों और लालू यादव की जीत है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि यह फैसला INDIA की जीत है। जनगणना ईमानदारी से होनी चाहिए।

इंटरनेशनल बॉर्डर पर खाली की चौकियां, झंडे भी उतारे, हाईअलर्ट

पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना को खुली छूट का ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि सेना जगह, समय और जवाब अपने हिसाब से चुने। भारत के इस ऐलान के बाद दोनों देशों की अंतरराष्ट्रीय सीमा की कुछ पोस्ट पर पाकिस्तान सैनिक पीछे हट गए हैं। पोस्ट से झंडे उतार लिए गए हैं। पाकिस्तान ने कठुआ के पर्गवाल इलाके में ये पोस्ट खाली की हैं। कश्मीर में पुलिस की चेतावनी
कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हैं। लश्कर से जुड़े आतंकवादियों पर कार्रवाई के बीच पुलिस ने लाउडस्पीकर और दीवारों पर संदेश लिखकर लोगों से इत्तेहाद-उल-मुस्लिमीन और अवामी एक्शन कमेटी से अलग होने को कहा गया। लाउडस्पीकर से घोषणाएं की गईं और पोस्टर लगाए गए हैं।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड का पुनर्गठन, पूर्व रॉ प्रमुख आलोक जोशी अध्यक्ष नियुक्त

एजेंसी ● नई दिल्ली

पाकिस्तान के साथ चल रहे तनाव के बीच मोदी सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (NSAB) में व्यापक बदलाव किया है। पूर्व रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (RAW) प्रमुख आलोक जोशी को बोर्ड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। बोर्ड में तीन सैन्य सेवानिवृत्त अधिकारी, दो भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त

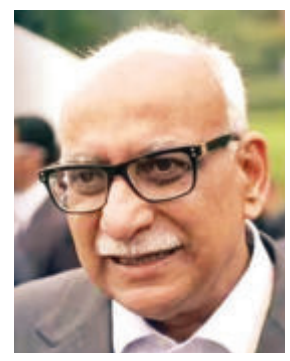

अधिकारी और एक भारतीय विदेश सेवा का सेवानिवृत्त अधिकारी शामिल हैं। यह संरचना रक्षा, खुफिया जानकारी और कूटनीति के क्षेत्रों में संतुलित दृष्टिकोण सुनिश्चित करेगी।

आलोकजोशी का राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है। उन्होंने 2012 से 2014 तक रॉ के प्रमुख के रूप में कार्य किया और 2015 से 2018 तक NTRO के चेयरमैन रहे। जोशी ने पड़ोसी देशों, विशेष रूप से नेपाल और पाकिस्तान में खुफिया ऑपरेशनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी नियुक्ति को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के नेतृत्व में एक रणनीतिक कदम माना जा रहा है, जो NSAB को और अधिक प्रभावी बनाना चाहते हैं।

1870 करोड़ लागत की धार माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना और 277 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

2100 करोड़ से औद्योगिक पार्क आकार लेगा, 3 लाख रोजगार सृजित होंगे : सीएम

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान), और नारी सशक्तिकरण के लिए 4 मिशन लॉन्च किए हैं। हितग्राहियों को कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधा लाभ दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूल मंत्र से राज्य सरकार प्रदेश को समृद्ध और सशक्त बनाने के लिए संकल्पित है। युवाओं को रोजगार, लाड़ली बहनों को आर्थिक सहायता, गरीब जरूरतमंदों के निःशुल्क उपचार की व्यवस्था है। जनजातीय क्षेत्रों सहित प्रदेश के किसानों की आय बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं का जाल बिछाया है।

सौगात

हमारा लक्ष्य प्रत्येक खेत तक पानी पहुंचाकर प्रदेश के सिंचित रकबे को 55 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 1 लाख हेक्टेयर करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने इसके लिए केन-बेतवा लिंक और पार्वती-चंबल-कालीसिंध लिंक परियोजनाओं की शुरुआत की है।

उन्होंने कहा कि धार को पीएम मित्र पार्क की सौगात केन्द्र से मिली है। यहां 2100 करोड़ से औद्योगिक पार्क आकार लेगा और लगभग 3 लाख रोजगार सृजित होंगे। धार अंचल के किसान कपास की खेती करेंगे तो उन्हें भी अधिक लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार के उमरबन में आयोजित सामूहिक विवाह एवं हितलाभ वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य सुमेर सिंह सोलंकी, विधायक हीरालाल अलावा, विधायक कालू सिंह ठाकुर ,श्रीमती रंजना बघेल, चंचल पाटीदार, सरदार सिंह सहित बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित थे।

उमरबन में परिणय सूत्र में बंधे 2123 जोड़े

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उमरबन में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे 2123 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि आज उमरबन की धरती से प्रदेश को कई सौगातें मिली हैं। कन्या विवाह योजना में बेटियों को प्रावधान के अनुसार 49 हजार का लाभ दिया जा रहा है। इसके साथ ही सामूहिक विवाह सम्मेलन में कल्याणी विवाह और अन्तर्जातीय विवाह करने पर राज्य सरकार की ओर से 2-2 लाख रुपए की सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विवाह में गैर-जरुरी खर्च से बचा जाए और यह राशि परिवार और बच्चों की पढ़ाई जैसे जरुरी कार्यों पर खर्च किया जाये। उन्होंने कहा कि प्रदेश की बहनों का भाई गरीब से गरीब की बेटी का विवाह कराएगा।

आधे शहर में घंटों गुल रही बत्ती, जगह-जगह जाम की हालत

दिनभर तीखी धूप, शाम को आंधी कई पेड़ हुए धराशायी

संवाददाता ● इंदौर

मौसम

शहर में मंगलवार को अप्रैल महीने की अब तक की सबसे भीषण गर्मी दर्ज की गई। दिन का तापमान 42.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 2 डिग्री अधिक है। बुधवार को पारा थोड़ा संभला और एक डिग्री कम होकर 41.6 पर आकर ठहर गया। यह सामान्य से अब भी एक डिग्री अधिक है। शाम को आंधी और तेज हवाओं ने मौसम में ठंडक घोल दी और लोगों को राहत मिली। रात का पारा .7 डिग्री उछलकर 26.3 पर आ गया। शाम को अचानक आंधी चलने से शहर में 40 जगहों पर पेड़ गिर गए। इसके अलावा कई टीन शेड उड़ गए। आधे शहर में बत्ती गुल होने से हजारों लोग घंटों परेशान हुए। शाम करीब 6 बजे चली आंधी ने शहर में कई जगह पेड़ गिरा दिए। कई घरों के शेड भी टूट गए और सड़कों किनारे लगने वाली झुग्गियों को भी नुकसान पहुंचा। आधे से अधिक शहर में बिजली एक घंटे से भी अधिक समय तक नहीं रही। इससे पहले दिन में तेज धूप और तपन के चलते दोपहर में सड़कों पर आवाजाही कम हो गई थी। लोग घरों में दुबके रहे, क्योंकि धूप में एक मिनट भी खड़ा रह पाना मुश्किल हो रहा था। मंगलवार का दिन पिछले पांच सालों का भी सबसे गर्म दिन बन गया। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों तक ऐसी ही भीषण गर्मी बने रहने की संभावना जताई है।

दस वर्षों में चार बार 42 के पार

पिछले दस वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो 29 अप्रैल 2019 को इंदौर में अब तक का सबसे अधिक तापमान 43.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बीते दशक में केवल चार बार तापमान 42 डिग्री के पार गया है। पिछले पांच वर्षों में भी इस बार का तापमान सबसे ज्यादा रहा। 18 अप्रैल 2024 को अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री था, जबकि मंगलवार को यह रिकॉर्ड टूट गया। मंगलवार की रात का तापमान भी सामान्य से 3 डिग्री अधिक, यानी 26.3 डिग्री सेल्सियस रहा, जिससे रात में भी गर्मी से राहत नहीं मिली।

लू का खतरा बरकरार

मौसम के जानकारों की मानें तो कुछ दिनों से प्रदेश के कुछ इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ के कारण बारिश हो रही है। हालांकि इंदौर संभाग पर इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। यहां गर्मी का दौर जारी है और अगले दो दिन भी हालात ऐसे ही बने रहने की संभावना है। राजस्थान और गुजरात से सटे जिलों में हीट वेव यानी लू चलने के आसार हैं, जिससे लोगों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की जरूरत है। 2 मई से वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो सकता है, जिसका असर प्रदेश के कुछ इलाकों में अगले तीन दिनों तक देखने को मिल सकता है। इसके चलते कुछ जिलों में तापमान में मामूली गिरावट हो सकती है या बादलों की आवाजाही के चलते राहत महसूस हो सकती है।

शॉर्ट न्यूज

भाजपा पार्षद कमलेश कालरा से हाईकोर्ट ने 6 हफ्ते में मांगा जवाब

इंदौर। प्रमुख सचिव पिछड़ा और अल्पसंख्यक विभाग, प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग, वार्ड 65 के भाजपा पार्षद कमलेश कालरा, एसडीएम जूनी इंदौर समेत 6 अन्य को उच्च न्यायालय ने नोटिस थमाया है। वार्ड 65 से कांग्रेस के पराजित प्रत्याशी सुनील यादव की याचिका पर ये नोटिस जारी हुए हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मनीष यादव, करण बैरागी ने तर्क रखे कि न्यायालय के आदेश के 3 साल में पार्षद कालरा के जाति प्रमाण पत्र की जांच के आदेश होने के बाद भी जानबूझकर विलंब किया गया। अंततः न्यायालय की अवमानना याचिका के चलते 7 अप्रैल 2025 को याचिकाकर्ता की शिकायत नस्तीबद्ध करते हुए केवल प्रमाणपत्र जारी होना पाते हुए पार्षद के जाति प्रमाण पत्र को निरस्त करने से इनकार कर दिया था।

चोरों ने बड़ा हाथ मारा और पूरे गांव में दी शराब-कबाब पार्टी

इंदौर। फर्नीचर शोरूम महिदपुरवाला के बंगले में लाखों की चोरी करने वाले दो आरोपियों को पलासिया पुलिस ने पकड़ लिया है। चोरी के बाद उन्होंने पूरे गांव को खाना खिलाया। शराब-कबाब पार्टी दी थी। यहां तक कि चोरी के पैसों से महंगी बाइक और नए कपड़े भी खरीद लिए थे। पुलिस के मुताबिक वारदात 15 अप्रैल को हुई थी। आरोपी नौकर बनकर आया था। उसने फर्जी आधार कार्ड दिया था। पुलिस ने सोमवार रात दो आरोपियों नरेश और जितेंद्र को गांव सच्दा उदयपुर (राजस्थान) से धरदबोचा। टीआई मनीष मिश्रा के मुताबिक एक आरोपी घर में घुसा था। चोरी करने के बाद वह दीवार फांदकर बाहर निकला और बाइक लेकर खड़े साथी के साथ भाग गया। एक आरोपी ने सवा दो लाख रुपये की बाइक खरीद ली।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने आरबीआई-एमपीसी द्वारा लगातार की गई दरों में कटौती का लाभ

ग्राहक जुडाव को बढ़ाने के लिए एमएमएमई एवं कासा आउटरीच कार्याक्रम का शुभारंभ किया है

संवाददाता ● इंदौर

मुंबई। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने आज अपने एमएसएमई और कासा आउटरीच कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की, जो एक राष्ट्रव्यापी पहल है जिसका उद्देश्य मौजूदा ग्राहकों के साथ संबंधों को मजबूत करना, नए एमएसएमई ग्राहकों तक पहुंच का विस्तार करना और कासा जमा में सतत वृद्धि को बढ़ावा देना। देश भर में आयोजित आउटरीच कैंम्प आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति द्वारा लगातार ब्याज दरों में कटौती के बाद आयोजित किए गए हैं, जिसके कारण बैंक ऋण पर ब्याज दरों में 50 आधार बिंदु की गिरावट आई है। यूनियन बैंक का एमएसएमई ऋण अब 8।75% की किफायती ब्याज दर पर शुरू हो रहा है।

ये कार्यक्रम 28 से 30 अप्रैल, 2025 तक 62 स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे, जिसमें मौजूदा और संभावित ग्राहक, उद्योग सघ, कारोबार निकाय और सरकारी एजेंसियां एक साथ आएंगी। ये कार्यक्रम वित्तीय जरुरतों को पूरा करने, डिजिटल बैंकिंग जागरूकता को बढ़ावा देने और आवश्यता अनुरूप वित्तीय समाधान पेश करने के लिए सहयोगी मंच के रूप में काम करेंगे।

एमएसएमई एवं कासा आउटरीच कार्यक्रम ग्राहकों की वित्तीय जरूरतों को समझने, बैंक उत्पादों को प्रदर्शित करने, लीड बनाने और सेवा की गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि में निरंतर सुधार के लिए फीडबैक एकत्र करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह कार्यक्रम मौजूदा और संभावित एमएसएमई ग्राहकों, स्टार्ट-अप, युवा पेशेवरों, उभरते उद्यमियों, महिला उद्यमियों, बड़े उद्योगों से जुड़े विक्रेता एवं आपूर्तिकर्ता और उद्योग संघों, कारोबार निकायों और वाणिज्य मंडलों के प्रतिनिधियों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। कासा आउटरीच कार्यक्रम संभावित प्रीमियम कासा ग्राहकों, सरकारी विभाग प्रमुखों, डाक्टरों और अन्य पेशेवरों के लिए बनाया गया है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता यूनियन बैंक के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे और यह ग्राहकों को बैंक से जुड़ने तथा अपने अनुभव साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। आउटरीच के दौरान, ग्राहकों को अपने कासा खातों को अपग्रेड करने और मौके पर ही वेतन खातों को सक्रिय करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम में मौकें पर ही लॉकर स्वीकृति, व्योम डिजिटल बैंकिंग पंजीकरण और इंटरनेट बैंकिंग तथा मोबाइल बैंकिंग सक्रिय करने हेतु समर्पित सहायता डेस्क भी शामिल होंगे।

एनएसटीआई और आईटीओटी में शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 2025-26 के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के अधीन कार्यरत प्रशिक्षण महानिदेशालय (डीजीटी) ने शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) के तहत शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रवेश कार्यक्रम की घोषणा की है। जो उम्मीदवार NTC (नेशनल ट्रेड सर्टिफिकेट), NAC (नेशनल अप्रेंटिसशिप सर्टिफिकेट), डिप्लोमा या डिग्री धारक हैं, या इन पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष की परीक्षा में शामिल हो रहे हैं, वे 8 मई 2025 से 28 मई 2025 के बीच आधिकारिक वेबसाइट — www.nimionlineadmission.in — पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश अखिल भारतीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (एआईसीईटी) के माध्यम से दिया जाएगा, जो कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) के रूप में देशभर के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित होगी। परीक्षा की तिथि 15 जून 2025 निर्धारित की गई है। चयनित उम्मीदवारों को 41 ट्रेड्स (28 इंजीनियरिंग और 13 नॉन-इंजीनियरिंग) में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) और प्रशिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीओटी) में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। सीआईटीएस योजना के तहत 2019 से 2024 के बीच 45,025 प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। शिल्प अनुदेशक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) का उद्देश्य प्रशिक्षकों को तकनीकी कौशल और प्रशिक्षण पद्धति दोनों में पूरी तरह से प्रशिक्षित करना है। इस कार्यक्रम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि प्रशिक्षक व्यावहारिक कौशल को प्रभावी ढंग से सिखाने में सक्षम हों, जिससे उद्योगों के लिए कुशल मानव संसाधन तैयार किया जा सके। राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) के अनुसार, सभी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रशिक्षकों के लिए सीआईटीएस प्रशिक्षण अनिवार्य है।

युवक बोला-पहलगाम की तरह तेरे परिवार को मार दूंगा

महिला टीचर से 7 साल से रेप कर रहा था, धर्मांतरण के लिए धमकाया

संवाददाता ● इंदौर

27 साल की टीचर से रेप, धर्म परिवर्तन और जान से मारने की धमकी का मामला सामने आया है। 29 अप्रैल की देर रात पीड़िता लसूड़िया थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता ने बताया कि हार्डवेयर कारोबारी जिब्राइल ने धमकी दी है कि अगर मेरे साथ नहीं चली तो जैसे पहलगाम के लोगों को मारा, मैं वैसे ही तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। पीड़िता ने बताया कि

धमकी

साल 2017 में राजगढ़ में जिब्राइल से मेरी जान-पहचान हुई थी। पिता की तबीयत खराब रहती थी तो जिब्राइल ने कहा कि किसी तरह की मदद हो तो बताए। वह उसकी बहन के जैसी है।

डरा-धमकाकर रेप किया, वीडियो भी बनाया पीड़िता ने बताया कि इसके बाद वह घर आने-जाने लगा। साल 2018 में वह पीएफ के लिए बैंक गई, तब जिब्राइल उसे मिला और घर छोड़ने की बात कही। इसके बाद वह राजगढ़ में ही एक निजी होटल लेकर गया, जहां रेप किया। वहीं, वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया। बाद में डरा-धमकाकर कई बार रेप किया। यहां उसने वीडियो भी बनाए।

शादीशुदा है, धर्म परिवर्तन के लिए बनाया दबाव पीड़ित टीचर के मुताबिक जिब्राइल ने कई बार धर्म बदलने के लिए दबाव बनाया। यह कहकर भी धमकाया कि वह उसकी शादी नहीं होने देगा। उसे अलग से अपने साथ रखेगा। साल 2020 में पिता की मौत के बाद पीड़िता की मां और दो भाई इंदौर आकर रहने लगे।

सगाई तोड़ने के लिए जान से मारने की धमकी दी

पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 9 अप्रैल 2025 को मेरी सगाई हो गई। यह बात उसे पता चली तो वह फिर मेरे पास आया और धमकी देने लगा। कहा कि सगाई नहीं तोड़ी तो तुझे और तेरे परिवार को जान से मार दूंगा। 18 अप्रैल को वह मेरे घर आया और हंगामा किया। मुझे एक चेन पहनाकर कहा कि तू मेरी है। यहां से वह मुझे एमजी रोड स्थित एक शोरूम पर ले गया। उसने कहा- तुझे यहां से सोने के जो गहने चाहिए वो ले ले, पर सगाई तोड़ दे। यहां से वह मुझे धमकाकर बॉम्बे हॉस्पिटल के नजदीक होटल में ले गया और रेप किया।

पीड़िता वहीं बच्चों को पढ़ाने लगी, लेकिन इसके बाद भी जिब्राइल ने उसका पीछा नहीं छोड़ा। बाद में पता चला कि वह पहले से शादीशुदा है और उसके चार बच्चे भी हैं। इंदौर आने के बाद भी पीड़िता का पीछा नहीं छोड़ा पीड़िता ने बताया कि वह मार्च-2025 में इंदौर आई तो 18 अप्रैल को जिब्राइल भी आ गया और घर में घुसने की धमकी देते हुए हाथापाई की। जिब्राइल ने कहा कि मेरे साथ चल नहीं तो फोटो और वीडियो वायरल कर दूंगा।

भोपाल स्टेशन पर कुली की ईमानदारी और रेलवे अधिकारी की तत्परता से यात्री को मिला खोया हुआ बैग

महत्वपूर्ण दस्तावेजों नकदी से भरा बैग यात्री को सुरक्षित सौंपा

संवाददाता ● भोपाल

एक यात्री अल्फ्रेड टोनी जो ट्रेन संख्या 12618 मंगला एक्सप्रेस से एर्नाकुलम स्टेशन की यात्रा पर थे, वे भोपाल स्टेशन परिसर में स्थित 'ड्रॉप एंड गो' क्षेत्र में टैक्सी से उतरे। यात्रा की जल्दी में वे अपना एक बैग वहीं भूल गए और प्लेटफॉर्म की ओर रवाना हो गए। इसी दौरान प्लेटफॉर्म पर कार्यरत रेलवे कुली श्री छगनलाल (बिल्ला क्रमांक 75) की नजर उस लावारिस बैग पर पड़ी। अपनी ईमानदारी और सजगता का परिचय देते हुए उन्होंने बिना देर किए वह बैग उपस्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) श्री जावेद अंसारी को सौंप दिया।

अंसारी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बैग की जांच की, जिसमें नकदी के साथ कई महत्वपूर्ण बैंकिंग दस्तावेज मिले। दस्तावेजों में अंकित मोबाइल नंबर से उन्होंने यात्री श्री अल्फ्रेड टोनी से संपर्क किया और उन्हें उनके बैग के सुरक्षित होने की सूचना दी। सूचना मिलते ही श्री टोनी तुरंत स्टेशन पर उपस्टेशन अधीक्षक कार्यालय में पहुँचकर बैग प्राप्त किया। उन्होंने भोपाल रेल प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि 'मैं बहुत खुश और आभारी हूँ कि इतनी जिम्मेदारी और ईमानदारी से मेरा सामान मुझे वापस मिल गया। रेल प्रशासन का यह व्यवहार यात्रियों के विश्वास को और मजबूत करता है।'

इस सराहनीय कार्य पर प्रतिक्रिया देते हुए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया ने कहा 'भोपाल मंडल में कार्यरत हमारे कर्मचारी यात्रियों की सेवा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं। श्री छगनलाल की ईमानदारी और श्री जावेद अंसारी की तत्परता ने यह सिद्ध कर दिया है कि हमारे स्टाफ न सिर्फ कर्मठ हैं, बल्कि मानवीय मूल्यों को भी निभाते हैं। रेल प्रशासन को उन पर गर्व है।'

भोपाल रेल मंडल यात्रियों को सुरक्षित, भरोसेमंद और सहयोगात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। यह घटना इस बात का प्रतीक है कि रेलवे केवल यात्रा का साधन नहीं, बल्कि यात्रियों के विश्वास और सुरक्षा का संरक्षक भी है।

गोदरेज ने पूर्वोत्तर भारत के एफएमसीजी उद्योग में नवीकरणीय ऊर्जा की दिशा में बदलाव का समर्थन किया

एजेंसी ● मुंबई

भारत के 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को समर्थन देने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप के ऊर्जा समाधान व्यवसाय ने असम के गुवाहाटी में एक अग्रणी एफएमसीजी कंपनी की सुविधा के लिए 2 मेगावाट पीक सौर ऊर्जा परियोजना का अनुबंध हासिल किया है। यह परियोजना भारत के ऊर्जा आत्मनिर्भरता और सतत औद्योगिक विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप है, और नवीन, अनुकूलित नवीकरणीय समाधानों के माध्यम से भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने की गोदरेज की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

भारत के सबसे जिम्मेदार ब्रांडों में से एक होने के नाते, यह गोदरेज की एफएमसीजी क्षेत्र में पहली बड़ी सौर ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) परियोजना है, जो प्रति वर्ष लगभग 98.4 टन कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी और जो विभिन्न उद्योगों में अनुकूलित अक्षय ऊर्जा समाधान प्रदान करने में गोदरेज की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करती है।

यह अत्याधुनिक सौर संयंत्र सालाना लगभग 24 लाख किलोवाट-प्रतिघंटा हरित ऊर्जा उत्पन्न करेगा, जिससे इस सुविधा का कार्बन उत्सर्जन काफी हद तक घटेगा। यह सुविधा अब लगभग 1.4 करोड़ की वार्षिक ऊर्जा लागत की बचत करेगी। यह सौर संयंत्र कम से कम 25 वर्षों तक संचालित होगा और अपने जीवनकाल में कुल 57,000 मेगावाट-प्रतिघंटा स्वच्छ ऊर्जा उत्पन्न करेगा। राघवेंद्र मिरजी, एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और बिज़नेस हैड, गोदरेज एंटरप्राइजेज ने कहा, "यह सौर स्थापना हमारे नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारत का औद्योगिक क्षेत्र ऊर्जा परिवर्तन के एक निर्णायक मोड़ पर है, जहां कंपनियां यह समझ रही हैं कि नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना केवल पर्यावरणीय रूप से आवश्यक ही नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से भी लाभकारी है। गोदरेज भारत का एक विश्वसनीय ब्रांड है और हम सभी क्षेत्रों में मापनीय और कुशल सौर समाधान प्रदान करके भारत के ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह परियोजना दर्शाती है कि कैसे औद्योगिक सुविधाएं स्वच्छ ऊर्जा को अपनाकर अपनी परिचालन दक्षता में सुधार कर सकती हैं।"

यह परियोजना असम की प्रगतिशील नवीकरणीय ऊर्जा नीति के अनुरूप है, जिसका लक्ष्य 2025 तक 2,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित करना है, जिसमें सौर ऊर्जा को प्राथमिकता दी गई है। इस लक्ष्य में से 1,500 मेगावाट उपयोगिता स्तर की सौर परियोजनाओं और 500 मेगावाट रूफटॉप व वितरित सौर प्रणालियों के लिए निर्धारित हैं। गोदरेज की मल्टी-फॉर्मेट स्थापना निजी क्षेत्र की अगुवाई में इन लक्ष्यों को प्राप्त करने में योगदान देती है।

यूसीमास स्टेट लेवल कॉम्पिटीशन में कृष्णा, विवान और, याशिका खापरे विजेता

विजयी विद्यार्थियों का पुरस्कार वितरण समारोह सम्पन्न

संवाददाता ● भोपाल

यूसीमास की 20वीं राज्य स्तरीय अबेकस एवं मेंटल अर्थमेटिक प्रतियोगिता 2025 में विजयी हुए भोपाल के विद्यार्थियों कृष्णा गुप्ता, विवान गुप्ता और याशिका खापरे का विराट पुरस्कार वितरण समारोह आज राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एनआईटीटीटीआर), श्यामला हिल्स, भोपाल मां हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ। समारोह के लिए बच्चों और उनके पालक सुबह 11 बजे से ही संस्थान में एकत्र होना शुरू हो गए थे। दोपहर 12 बजे जैसे ही पुरस्कार वितरण शुरू हुआ, तालियों की गूंज से पूरा सभागार गूंज उठा। इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को उम्र के आधार पर तीन समूहों में विभाजित किया गया था। प्रत्येक समूह में 'मॉड्यूल चैंपियन', 'चैंपियन', 'फर्स्ट रनरअप', 'सेकंड रनरअप', 'थर्ड रनरअप', 'फोर्थ रनरअप', 'फिफ्थ रनरअप', 'मेरिट' और 'कोनसोलेशन' श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए गए। प्रतियोगिता में कुल 3 चैंपियन, 8 फर्स्ट रनरअप, 6 सेकंड रनर अप, 7 थर्ड रनर अप, 8 फोर्थ रनर अप, 12 फिफ्थ रनर अप घोषित किए गए। इसके अतिरिक्त 150 विद्यार्थियों को मेरिट पुरस्कार और 385 विद्यार्थियों को कॉन्सोलेशन पुरस्कार प्रदान किए गए।

प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कुल 44 विद्यार्थियों को उनके ग्रुप और वर्ग के आधार पर 'विनर्स' घोषित किया गया, उन्हें ट्रॉफी और प्रमाण-पत्र भेंट किए गए। इस भव्य आयोजन में यूसीमास मध्यप्रदेश के डायरेक्टर श्री नीरज गोयल मुख्य अतिथि के रूप में विशेष रूप से उपस्थित रहे। भोपाल के सभी यूसीमास सेंटर्स के फ्रेंचाइज़ी संचालक भी इस अवसर पर शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन यूसीमास मध्यप्रदेश की स्टेट मॉडरेटर श्रीमती अमृता गोयल ने किया। अतिथियों का स्वागत म.प्र. मास्टर फ्रेंचाइज़ी श्री नीरज गोयल ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन फ्रेंचाइज़ी मैनेजर श्रीमती रूफिया पाठक एवं मॉडरेटर श्रीमती लीना सचदेव ने किया।

अक्षय तृतीया पर स्वच्छता अभियान को मिली नई ऊर्जा

100 इलेक्ट्रिक कचरा गाड़ियां 6 सोलर पानी के टैंकर मिले

संवाददाता ● इंदौर

नगर निगम इंदौर के स्वच्छता अभियान को और अधिक प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से आज एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, नगर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा, विधायक महेंद्र हर्डिया सहित अन्य जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों की उपस्थिति में राजवाड़ा परिसर से 100 इलेक्ट्रिक डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण वाहन और 6 सोलर चलित पानी के टैंकर शहरवासियों को समर्पित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत लोकमाता अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ की गई। इस अवसर पर नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं स्वच्छता कर्मी भी मौजूद रहे। पर्यावरण अनुकूल इन वाहनों को स्वच्छता अमले में शामिल कर इंदौर ने एक बार फिर स्वच्छता में अपनी अग्रणी भूमिका को मजबूत किया है। इससे न केवल कचरा संग्रहण में दक्षता बढ़ेगी, बल्कि वायु प्रदूषण में भी कमी आएगी। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा, "इंदौर देश का पहला शहर बन गया है, जहाँ क्लीन, ग्रीन और डिजिटल, सोलर चलित कचरा वाहन चलाए जा रहे हैं। यह इंदौर की स्वच्छता और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।"

प्रदूषण में कमी के साथ ही लोगों का स्वास्थ्य भी रहेगा सुरक्षित : विजयवर्गीय

कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा, "नगर निगम ने डीजल से चलने वाले पुराने वाहनों को हटाकर पर्यावरण-संवेदनशील कदम उठाया है। इससे न केवल प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि नागरिकों का स्वास्थ्य भी सुरक्षित रहेगा। जल्द ही राजवाड़ा में अगली कैबिनेट मीटिंग आयोजित कर, इंदौर को राज्य स्तर पर एक नई पहचान दी जाएगी।" इंदौर लगातार स्वच्छता में देश का नेतृत्व कर रहा है और यह पहल शहर को 'क्लीन, ग्रीन और स्मार्ट सिटी' की दिशा में एक और कदम आगे ले जाती है।

शॉर्ट न्यूज

पत्नी की मौत के 19 दिन बाद पति ने भी दी जान

इंदौर। चंदन नगर थाना क्षेत्र में एक युवक ने पत्नी की मौत के 19 दिन बाद घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। नाबालिग बेटे ने देखा कि पिता फंदे पर लटके हुए हैं। उसने आसपास के लोगों को बुलाया इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक का नाम दीपक पिता राम नारायण 40 साल निवासी चंदननगर है। और एट भट्टे पर काम करता था। शाम को घर पहुंचे बेटे ने कई बार दरवाजा खटखटाया और आवाज लगाई पर ना तो दरवाजा खुला और ना ही पिता ने कोई जवाब दिया। फिर उसने खिड़की से झांककर देखा तो दीपक फांसी के फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस ने बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते रक्षाबंधन पर दीपक की पत्नी सुमित्रा ने एसिड पी लिया था। इसके बाद से ही उसका उपचार चल रहा था।

बदमाश ने लगाई आग दो मकान जले

इंदौर। बाणगंगा थाना क्षेत्र में बदमाश ने एक घर में आग लगा दी। आग ने पड़ोसी के मकान को भी चपेट में ले लिया। आग में दोनों घरों में रखा सामान जल गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी माधुरी पति दिनेश चौहान 24 साल निवासी भागीरथपुरा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मैं अपने घर में बर्तन धो रही थी, घर की खिड़की खुली थी और बाहर से आवाज आ रही थी कि घर में आग लग गई है बुझाओ में तत्काल अपने घर की छत पर पहुंची तो देख पड़ोसी मुकेश उर्फ मुक्का पिता देवीलाल कौशल आग लगाकर गली से भाग रहा था। भारती सेन के घर में लगी आग में पड़ोस में रहने वाली आरती बाई के मकान को भी चपेट में ले लिया। दोनों घरों में लगी आग से घर में रखा सामान जलकर राख हो गया। आसपास के लोगों ने आग बुझाई।

कार का कांच फोड़कर लैपटॉप पर्स ले उड़े

इंदौर। एमआइजी इलाके में होटल में खाना खाने गए दंपती की कार का कांच फोड़कर अज्ञात बदमाश लैपटॉप और पर्स चुराकर ले गया। फरियादी अंकित पिता सुशील जैन मूल निवासी मंदसौर हाल मुकाम विजय नगर ने पुलिस को बताया कि वह होटल श्रीमाया सर्विस रोड पर पत्नी निकिता जैन के साथ खाना खाने गया था। खाना खाकर लौटा तो गाड़ी का कांच फूटा था और अंदर रखा लैपटॉप एवं पत्नी का पर्स गायब मिला। जिसमें 5000 रुपए नकदी क्रेडिट और एटीएम कार्ड रखा था। पुलिस घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी के फुटेज चेक कर रही है। एमआईजी पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया है। इसी प्रकार फरियादी रोहित पिता कैलाश चंद्र जोशी निवासी जवाहर नगर ने पुलिस को बताया कि उसके घर से अज्ञात व्यक्ति एप्पल कंपनी के दो मोबाइल फोन चुराकर ले गया। राजेंद्र नगर पुलिस ने चोरी का केस दर्ज किया।

17 किलोमीटर तक बिछ गए मेट्रो ट्रेन के ट्रैक

छह माह बाद होगा ट्रायल रन

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में छह किलोमीटर हिस्से में मेट्रो ट्रैक और स्टेशन पूरी तरह तैयार है। रेल विभाग ने सेफ्टी रन के बाद मेट्रो के संचालन की मंजूरी भी दे दी है। मेट्रो रेल कार्पोरेशन ने छह किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का किराया भी तय कर दिया है, लेकिन अभी इसके संचालन की तिथि तय नहीं हो पाई है। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की भी इच्छा है कि मेट्रो ट्रेन रेडिसन होटल चौराहा तक 17 किलोमीटर तक चले तो यात्रियों के लिए यह रुट उपयोगी साबित हो सके।

इसके लिए अफसरों ने भी तैयारी शुरू कर दी है। 17 किलोमीटर लंबाई तक मेट्रो की पटरियां बिछाई जा चुकी है। विद्युत के लिए थर्ड लाइन का काम ट्रैक पर जारी है। छह माह के भीतर सारा काम पूरा करने का लक्ष्य रखा है, ताकि 17 किलोमीटर हिस्से का ट्रायल रन हो सके। चंद्रगुप्त मोर्य चौराहा, मेघदूत उपवन और विजय नगर चौराहे पर स्टेशनों का निर्माण अभी 70 प्रतिशत तक हो पाया है। अगले साल तक 19 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का संचालन शुरू हो सकता है। गांधी नगर मेट्रो डिपो

से रेडिसन चौराहा तक आठ स्टेशन है। फिलहाल तीन स्टेशन पूरी तरह तैयार है, लेकिन पांच मेट्रो स्टेशन का काम चल रहा है। उनके बनने में ही सबसे ज्यादा समय लग रहा है। हाल में ही मंत्री विजयवर्गीय ने जब मेट्रो का दौरा किया था तो उन्होंने कहा था कि छह किलोमीटर हिस्से में मेट्रो का संचालन उपयोगी नहीं है। यात्री सिर्फ मेट्रो का अनुभव लेने आएंगे, लेकिन रेडिसन चौराहे तक चलाए जाने पर यात्री संख्या बढ़ जाएगी,क्योकि टीसीएस, इंफोसिस जैसी कंपनियों में कई कर्मचारी काम करते है और वे रोज विजय नगर, सुखलिया ग्राम क्षेत्र से आते है। इंदौर में 31 किलोमीटर लंबाई में मेट्रो के पहले चरण का काम जारी है।

आयुर्वेदिक उपचार के फायदों के बारे में बताया

इंदौर। अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेल की जिला शाखा इन्दौर के तत्वावधान में इन्दौर शहर के आयुर्वेदिक चिकित्सकों की कार्यशाला होटल अपना एवेन्यू में सम्पन्न हुई। सतत् चिकित्सा शिक्षा कार्यकम के अन्तर्गत धार के जाने माने आयुर्वेद चिकित्सक डॉ. दिनेश कर्मा ने विभिन्न असाध्य रोगों की प्रभावी आयुर्वेदिक चिकित्सा बताते हुए कहा कि कई ऐसे रोग हैं जिनका अन्य पेथियों में पूरी तरह से इलाज सम्भव नहीं, लेकिन आयुर्वेद चिकित्सा से उन्हें हमेशा के लिए ठीक किया जा सकता है और रोग दुबारा नही होता। इसके साथ ही उन्होंने हार्ट, किडनी एवं विभिन्न चर्म रोगों की सरल व सफल प्रायोगिक आयुर्वेदिक चिकित्सा से प्रतिभागियों को अवगत करवाया। कार्यक्रम के आरम्भ में कश्मीर के पहलगांव आतंकी हमले के शहीदों को श्रृद्धांजलि अर्पित की गई व मानवता पर हुए इस कायराना हमले की घोर निंदा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, अखिल भारतीय आयुर्वेद महासम्मेलन (नईदिल्ली) के संरक्षक डॉ. आर. के. वाजपेई तथा विशेष अतिथी आरोग्य भारती मालवा प्रांत के कार्याध्यक्ष डॉ लोकेश जोशी थे। मध्य प्रदेश आयुवेद सम्मेलन के प्रांतीय संगठन मंत्री डा एम एल जाधव भी उपस्थित थे। अध्यक्षता डॉ नीरज व्यास ने की और कार्यक्रम का संचालन आयुर्वेद सम्मेलन जिला इन्दौर के सचिव डॉ. मो. हनीफ खान ने किया। आभार पदर्शन डॉ बीके सोलंकी ने किया।

इंदौर में सीजन का सबसे गर्म दिन, 42 डिग्री पहुंचा पारा

कल-परसों भी नए वेदर सिस्टम के कारण बारिश!

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर में तापमान लगातार बढ़ रहा है और लोग तेज गर्मी से परेशान हैं। अगले कुछ दिनों में मौसम बदलने का भी अनुमान है और बादल बारिश राहत दे सकते हैं। मौसम विभाग ने मध्यप्रदेश में अगले चार दिनों तक, यानी 2 मई तक कुछ जिलों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान इंदौर संभाग के शहरों में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सोमवार को दिन का तापमान 1 डिग्री बढ़कर 41.4 डिग्री पर आ गया और रात का तापमान .01 डिग्री बढ़कर 25.6 रहा। मंगलवार को फिर से पारा उछला और एक डिग्री के इजाफे के साथ पारा 42.6 डिग्री पर आ गया। यह सामान्य से 2 डिग्री अधिक रहा। वहीं रात का पारा 0.1 डिग्री के इजाफे के साथ 25.6 डिग्री तक पहुंच गया।

अप्रैल में यह अब तक का सबसे ज्यादा तापमान माना जा रहा है। अब तक अधिकतम तापमान 41.7 डिग्री दर्ज किया गया है, जबकि अप्रैल 2024 में यह 40.2 डिग्री और 2023 में 39.6 डिग्री था। इससे पहले के सालों में यह अधिकतर 38 से 40 के बीच रहा। इसके अलावा, 1 और 2 मई को भी एक नए वेदर सिस्टम के कारण बारिश होने के संकेत मिल रहे हैं। लगातार बदलते मौसम के कारण लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। इस मौसम में बीमारियों के बढ़ने का प्रकोप अधिक रहता है।

साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ सिस्टम का असर

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने जानकारी दी कि फिलहाल साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय है और दो टर्फ लाइनें भी एक्टिव हैं, जिसके चलते मंगलवार के बाद कई जिलों में बारिश देखने को मिल सकती है। मौसम का यही मिजाज पूरे सप्ताह बने रहने की संभावना है। कई इलाकों में गरज-चमक के साथ तेज आंधी चलने के आसार भी हैं। दूसरी तरफ कुछ जिलों में उमस अधिक रहेगी और गर्मी भी तेज रहेगी।

जल संरक्षण और संवर्धन के लिए मनाया जल महोत्सव

संवाददाता ● इंदौर

इंदौर जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार जल संरक्षण और संवर्धन के प्रति जनजागरूकता के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत अनेक कार्यक्रम और गतिविधियों का लगातार आयोजन हो रहा है। इसी सिलसिले में डॉ. अम्बेडकर नगर महू क्षेत्र में जल महोत्सव का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत वाटरशेड यात्रा भी निकाली गई। इन कार्यक्रमों में विधायक उषा ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में नागरिकों ने जल के संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्रकृति

संसाधनों को बचाने, जल दक्षता पूर्ण उपयोग करने की शपथ ली। विधायक उषा ठाकुर द्वारा किसान सुविधा केंद्र, 5 अमृत सरोवर, 14 चेक डेमों का लोकार्पण एवं नवीन कार्यों का शिलान्यास किया गया। उनके द्वारा मियायाबाकी पद्धति से पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में जल की उपयोगिता एवं महत्व बताने के लिए नुक्कड़ नाटक किया गया। पानी की पाठशाला आयोजित हुई। पानी के उपयोग के बारे में नाट्य रूपांतरण किया गया।

कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष महू सरदार मालवीय, जनपद उपाध्यक्ष महू वीरपाल, मंडल अध्यक्ष रुपेश वाघमोड़े, रामचंद्र यादव, गेंदालाल यादव, जनपद सदस्य उमेश, नितेश शर्मा, ईश्वर सिंह कोहली, राकेश निनामा, बद्रीलाल दांगी, कृष्णा सिंह तंवर, नितेश कुमार नामदेव, टंट्या मामा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी डायरेक्टर अभय सिंह रावत, वाटरशेड कमेटी कुलथाना अध्यक्ष शिव प्रसाद दुबे, वाटरशेड कमेटी कालाकुंड अध्यक्ष पूजा राकेश निनामा, वाटरशेड कमेटी राजपुरा के अध्यक्ष एवं सचिव आनंद गुप्ता, जिला परियोजना अधिकारी जमाल अहमद खान, प्रधानमंत्री के शिक्षा योजना इंदौर टीम लीडर धर्मेंद्र यादव एवं स्वयं सहायता समूह के सभी सदस्य उत्पादन प्रणाली में के सभी उपयोगकर्ता दल के सदस्य सभी अमृत सरोवर के उपयोगकर्ता सदस्य मौजूद रहे।

एमपीआईडीसी के डायरेक्टर ने किया पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र का निरीक्षण

पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र को अग्रणी बनाने के लिए कारोबारियों से की चर्चा

संवाददाता ● इंदौर

एमपीआईडीसी, क्षेत्रीय कार्यालय इंदौर के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति द्वारा आज पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र, स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल पार्क, स्पेशल इकोनोमिक झोन, औद्योगिक क्षेत्र बिजेपुर तथा मोहना का भ्रमण किया गया।

विकास

साथ ही औद्योगिक इकाईयों से चर्चा के लिए निर्यात भवन, एसईझेड पीथमपुर में पीथमपुर के उद्योगपतियों से बैठक का आयोजन किया गया था। बैठक का मुख्य उद्देश्य पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र जो कि प्रदेश का अग्रणी औद्योगिक क्षेत्र है में औद्योगिक इकाईयों के परिचालन को सुलभ बनाने एवं एम.पी.आई.डी.सी. की आगामी योजनाओं के संबंध में चर्चा था। बैठक में एसईझेड कस्टम्स एवं जिला उद्योग केन्द्र के

फायर स्टेशन बनाने पर जोर

उपस्थित इकाइयों के प्रतिनिधि द्वारा मुख्यतः आगामी दो माह में जलापूर्ति तथा विद्युत आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिए जाने के लिए निवेदन किया गया साथ ही क्षेत्र में आ रही ट्रैफिक की समस्या से भी अवगत कराया गया। एस.आर.एफ.लि. के प्रतिनिधि दिनेश मिश्रा द्वारा फायर सेफ्टी के लिए नवीन फायर स्टेशनों की स्थापना किए जाने को निवेदन किया गया एवं प्रतिभा सिन्टेक्स की ओर से उपस्थित धीर आर्या द्वारा ई.एस.आई.सी. हॉस्पिटल के कार्य को तेजी से कराए जाने का अनुरोध किया गया साथ ही क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाए जाने हेतु निवेदन किया गया जिससे रात में हो रही असामाजिक घटनाओं को रोका जा सकें। प्रजापति द्वारा सभी इकाईयों को यह आश्वस्त कराया गया कि जो समस्या सीधे तौर पर एम.पी.आई.डी.सी. से संबंधित है उनका निराकरण शीघ्र किया जायेगा।

पदाधिकारियों के साथ-साथ एमपीआईडीसी में जल प्रदाय एवं संधारण का कार्य संभाल रही एजेंसियों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया। जिससे कि इकाइयों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की जा सके।

इकाईयों को यह भी अवगत कराया गया कि निवेश क्षेत्र में स्थित औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित इकाइयों को स्थानीय नगरीय निकाय को अब सम्पत्ति कर देने की आवश्यकता नहीं है। इस संबंध में हाईकोर्ट मध्यप्रदेश द्वारा एम.पी.आई.डी.सी. के पक्ष में फैसला किया गया है। प्रजापति द्वारा इकाईयों को एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा आने वाले मानसून में एम.पी.आई.डी.सी. की ओर से औद्योगिक क्षेत्र के रखरखाव जिसमें कि मुख्यतः ड्रेनेज एवं क्षेत्र की सफाई तथा मरम्मत शामिल है कि कार्य योजना से अवगत कराया गया जिससे जल भराव की समस्या से निपटा जा सके। साथ ही उनके द्वारा यह बताया गया कि इकाईयों के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई के लिए 30 दिवस के भीतर क्षेत्रीय कार्यालय इन्दौर में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने का लक्ष्य रखा गया है साथ ही कार्यालय में प्रचलित फाईल ट्रैकिंग सिस्टम को दुरूस्त करते हुए प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इकाईयों को यह भी अवगत कराया गया कि शासन द्वारा सिंगल विण्डो सिस्टम को लागू करने हेतु भी प्रभावी कदम उठाए गए है जिससे सिंगल विण्डो सिस्टम और प्रभावी ढंग से कार्यरत होगा।

हर भारतीय पर्व हमें अनुशासन जरूर सिखाते हैं

1950 के दशक के उत्तरार्ध में जब मेरी मां का विवाह हुआ, तब दस ग्राम सोने की कीमत मात्र 60 रु. थी और कुछ समय पहले जब मेरी बेटी का विवाह हुआ, तब कीमत 60 हजार रुपए के आसपास थी। चंद सालों पहले, अपने नाना से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने बताया था कि मां की शादी के समय उनकी तनख्वाह भी 60 रु. थी। और उस वेतन के साथ वह सोच-विचार में थे कि बेटी की शादी कैसे करेंगे। और तब उनकी पत्नी यानी मेरी नानी ने उन्हें ये कहते हुए चौंका दिया कि मेरी मां के जन्म के बाद हर अक्षय तृतीया पर वह थोड़ा-थोड़ा सोना खरीदती रहीं, जिसके चलते शादी के खर्चों का बोझ काफी हद तक कम हो गया।

बाकी खर्चों को लेकर वह चिंतित नहीं थे, क्योंकि उस समय की परंपराओं के अनुसार गांव में अगर किसी बेटी की शादी होती थी, तो पूरा गांव एकजुट होकर अपना शक्ति प्रदर्शन करता था। केले की खेती करने वाले परिवार शादी में भोजन के लिए केले के पत्ते और केले देते थे। वहीं घर के बाड़े में बांस के पेड़ लगाने वाले परिवार बांस से ही मंडप बना देते थे। तब गली को दोनों छोर से बंद कर देते थे, जिससे यह किसी हॉल जैसी हो जाती थी। वहीं आभूषण बनवाने की जिम्मेदारी नानी ने उठा ली थी, जिसके चलते नाना पर आर्थिक बोझ कम हो गया था।समय के साथ मैंने महसूस किया है कि ऐसे उत्सव और उनसे जुड़े अनुशासन (कोई इसे अंध श्रद्धा भी कह सकता है, ये उनका निजी चुनाव है) ने सदियों बाद भी पीढ़ियों को कभी निराश नहीं किया है। हर अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने की परंपरा को, मेरी बहन के जन्म के बाद ना सिर्फ सिर्फ मेरी मां ने जारी रखा, बल्कि मेरी पत्नी ने भी परिवार की परंपराओं और घर के बड़े सदस्यों की सलाह पर हमारी बेटी के लिए भी वही प्रथा जारी रखी।

सभी मामलों में खरीदे गए सोने से आभूषण बना लिए और वह बने रहे। लेकिन मेरे नाना, मेरे माता-पिता और खुद मुझ में भी एक बात कॉमन रही कि इन छोटे निवेशों ने हमें आत्मविश्वास दिया। बचत के इस अनुशासन ने अप्रत्यक्ष रूप में हमें यह अहसास कराया कि किसी भी आपात स्थिति में पूरा परिवार इस जमा किए सोने का इस्तेमाल कर सकता है, हालांकि खुशकिस्मती से ऐसी स्थिति कभी नहीं आई। जो लोग अक्षय तृतीया के इस शुभ अवसर पर बरसों से हर साल सोना खरीदते हैं, उन्होंने अपने निवेश पर 13.8% वार्षिक रिटर्न कमाया है। और जिन लोगों ने साल 2018 से सोना खरीदना शुरू किया, उन्हें भी 20% का सालाना रिटर्न मिला है।

ये मुख्य रूप से हाल के वर्षों में सोने की कीमतों में वृद्धि के कारण हुआ है, खासकर पिछले एक साल में। इस तरह भारतीय त्योहार परंपरा, संस्कृति, आध्यात्मिकता व अनुशासन के धागों से बुनी एक जीवंत गाथा हैं। हमारे त्योहारों की जो सबसे पहली बात मुझे पसंद है, वो है समय प्रबंधन। त्योहार पंचांग में दिए गए समय पर ही मनाना होते हैं और अपनी सुविधानुसार किसी भी समय पर इन्हें नहीं मना सकते।

ये मुख्य रूप से हाल के वर्षों में सोने की कीमतों में वृद्धि के कारण हुआ है, खासकर पिछले एक साल में। इस तरह भारतीय त्योहार परंपरा, संस्कृति, आध्यात्मिकता व अनुशासन के धागों से बुनी एक जीवंत गाथा हैं। हमारे त्योहा-रों की जो सबसे पहली बात मुझे पसंद है, वो है समय प्रबंधन। त्योहार पंचांग में दिए गए समय पर ही मनाना होते हैं और अपनी सुविधानुसार किसी भी समय पर इन्हें नहीं मना सकते। पंचांग के कई दिनों में उपवास को भी बढ़ावा दिया जाता है, जो कि अप्रत्यक्ष रूप से हमारी पेट की सेहत के लिए भी अच्छा है। इसलिए, ये त्योहार केवल खुशी के अवसर नहीं हैं, बल्कि वित्तीय प्रबंधन जैसे जरूरी मुद्दों पर मूल्यवान सबक भी सिखाते हैं, खासकर उन परिवारों के लिए जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं।

हमारे त्योहार कई सीख देते हैं और जीवन के विभिन्न पहलुओं को छूते हुए व्यक्ति के समग्र विकास में भी योगदान देते हैं। इन त्योहारों से मिली सीखें रचनात्मकता, एकता, कृतज्ञता, पारिवारिक बंधन, उदारता, लचीलापन, अनुशासन आदि को बढ़ावा देती हैं। तेजी से बदलते इस संसार में ये प्राचीन परंपराएं मानव यात्रा के लिए मूल्यवान मार्गदर्शक का काम करती हैं। ये व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देती है और हमें ज्यादा संतोषजनक जीवन की ओर ले जाती हैं, साथ ही समाज में भी सकारात्मक योगदान देती हैं।

फंडा यह है कि हमारे सभी त्योहारों के पीछे कोई न कोई ठोस आधार हैं, वहीं अक्षय तृतीया का पर्व अनुशासित रूप से निवेश को बढ़ावा देता है, खासकर आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के बीच।जम्मू और कश्मीर में स्थिरता और समृद्धि की दिशा में हो रही प्रगति को ऐसे घिनौने कृत्य पटरी से न उतार दें, इसके लिए आवश्यक है कि भारत अशांति (आतंकवाद) के मूल कारणों को संबोधित करे और सुरक्षा उपायों को और अधिक सुदृढ़ बनाए। आतंकवाद को समाप्त करने के संबंध में कोफी अन्नान का एक प्रसिद्ध उद्धरण उल्लेख करना प्रासंगिक होगा किः ह्लआतंकवाद रूपी अभिशाप से निपटने का एकमात्र तरीका है इसके मूल कारणों को संबोधित करना और अडिग संकल्प के साथ इसके खिलाफ एकजुट होना।

संत वचन

फिर आज हमारे सुसमाचार के अंश में, हमने सुसमाचार के संत लूका के सुसमाचार से वर्णन की निरंतरता सुनी, जहाँ प्रभु ने फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों को उनके कार्यों और ईश्वर और उनके उद्धारकर्ता में उनके विश्वास की कमी के लिए फटकारना और आलोचना करना जारी रखा। इन सभी में संदर्भ को इस तरह से समझा जाना चाहिए कि प्रभु को उन सभी फरीसियों और व्यवस्था के शिक्षकों से लगातार विरोध और अस्वीकृति, जिद्दी रवैये और बाधाओं का सामना करना पड़ा था, जो अक्सर उनकी शिक्षाओं पर संदेह करते थे, उनके सिखाने और चमत्कार करने के अधिकार पर सवाल उठाते थे, और जो प्रभु ने उन्हें प्रकट किया था और सिखाने का प्रयास किया था, उसका विरोध करने के लिए परमेश्वर के कानून की अपनी सख्त और कठोर व्याख्या और समझ का उपयोग करते थे। इस प्रकार, प्रभु कोयह वह रवैया है जो प्रभु नहीं चाहते कि हममें से कोई भी रखे, ताकि हम यह न सोचें कि हमारे तरीके और पद्धतियां बेहतर हैं या हम अपने आस-पास के लोगों की तुलना में किसी तरह बेहतर और श्रेष्ठ हैं।

यूपी में 40 से 45% हिंदू वोटों की लामबंदी होगी?

आगरा को उत्तर भारत में दलितों की राजनीतिक राजधानी माना जाता है। 1956 में यहां की सबसे बड़ी जाटव बस्ती में बुद्ध विहार का उद्घाटन करते समय दिया गया आम्बेडकर का भाषण आज भी आगरा की 30% दलित आबादी की राजनीतिक विरासत है। इसके बावजूद वहां के चुनावों में भाजपा की सफलता से संदेश यही मिलता रहा है कि हिंदुत्ववादी राजनीति ने दलितों को अपने आगोश में समेटने का फॉमूर्ला खोज लिया है। वही आगरा अब दलित नेतृत्व के खिलाफ लहराए जा रहे भगवा झंडों के मुकाबले दलितों के नीले झंडों की प्रतियोगिता का नजारा दिखा रहा है। इस बार नीले झंडों का मतलब दलितों की पारम्परिक पार्टी बसपा का प्रभाव नहीं है। उनके साथ सपा के कार्यकताओं की मौजूदगी एक नए समीकरण का संदेश दे रही है। पिछली बार 1993 में यह समीकरण दिखाई पड़ा था, जब बाबरी मस्जिद के ध्वंस के बावजूद सपा के यादवों और बसपा के जाटवों ने मिलकर भाजपा विरोधी चुनावी मुहिम का नेतृत्व किया था। उस चुनाव के नतीजे से हिंदू राजनीतिक एकता का तेजी से बनता मानचित्र बिगड़ गया था। लेकिन, वह उभार मुख्यतः बसपा का था, जिसका लाभ उसे 2012 तक मिलता रहा। उसके बाद पलड़ा भाजपा के पक्ष में झुक गया।

एडिट.नोट

जरूरी नहीं कि 2027 के चुनाव तक ऐसा ही मूड कायम रहे। बगल में ही अलीगढ़ है, जहां संघ प्रमुख मोहन भागवत की तरफ से दिया गया संदेश (एक मंदिर, एक कुआ, एक श्मशान) सुनाई पड़ रहा है। यह संदेश समरसता कायम करने के लिए है। लेकिन इस बार ऐसा लग रहा है कि 2014 के बाद जिस बारीकी और कुशलता से हिंदू राजनीतिक एकता के दायरे में दलित मतदाताओं को जोड़ा गया था, वह कारीगरी कहीं गायब हो गई है। यूपी की कसौटी पर हिंदुत्व के दलित अध्याय को लगातार परीक्षा देनी पड़ती है।

दरअसल, होना इसका उल्टा चाहिए था। क्योंकि बसपा की दलित मतदाताओं पर से पकड़ ढीली होती जा रही है। जो दलित मतदाता-मंडल मायावती के नेतृत्व के प्रति जबर्दस्त निष्ठा दिखाता रहा है, वह उनकी लगातार निष्क्रियता के कारण अनमना होता जा रहा है। 2022 के चुनावों में भाजपा ने कम से कम पश्चिमी यूपी में इसका लाभ भी उठाया था। किसान आंदोलन के कारण जाट वोटों में जो कमी आई थी, समझा जाता है कि उसकी भरपाई कुछ जाटव वोटों ने की थी। पिछले ढाई साल में यह दलित वोटर और भी फ्लोटिंग हुआ है। एक तरह से यह माना जा सकता है कि यूपी के इतिहास में पहली बार आम्बेडकरवादी राजनीति की खुराक पर पला दलित समुदाय हिंदुत्व द्वारा अपनी ओर खींचे जाने के लिए खुल गया है। इस परिस्थिति के बावजूद भाजपा इस अंदेशे का सामना कर रही है कि कहीं यह वोटर भाजपा की तरफ झुकने के बजाय कांग्रेस-सपा गठजोड़ को न पसंद कर बैठे।

यूपी में योगी को मुख्यमंत्री बनाया जाना हिंदुत्ववादी राजनीति में एक खास तरह के प्रयोग की तरह था। योगी की राजनीति को हिंदुत्व के साथ सामाजिक न्याय के पहलू जोडने में दिलचस्पी नहीं है। लेकिन आक्रामक हिंदुत्व से केवल ‍‍द्विज' मानस वाले 18 से 20% मतदाताओं का ही समर्थन मिलता है। दलित जातियां इससे चौंक जाती हैं। समाजवादी पृष्ठभूमि का ओबीसी समाज भी इससे शंकित हो जाता है। संभवतः संघ ने तय किया है कि 2027 में योगी के नेतृत्व में विशुद्ध भगवा प्रयोग करके देखा जाए। इससे पता चलेगा कि जातिगत मांगों की परवाह किए बिना की गई राजनीति के बावजूद ऊंची जातियों के साथ दलित और ओबीसी वोटर कितनी संख्या में जुड़ते हैं। क्या यूपी की भाजपा 40 से 45% की हिंदू राजनीतिक एकता हासिल कर सकती है? ध्यान रहे लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट प्रतिशत 49.6 से घट कर 41.4% तक आ गया था। अगर अखिलेश यादव अपना ‍पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक एकता) बना ले गए तो यूपी में भाजपा संकट में आ सकती है। 2014 के बाद जिस कुशलता से हिंदू राजनीतिक एकता के दायरे में दलित मतदाताओं को जोड़ा गया था, वह कारीगरी कहीं गायब हो गई है। यूपी की कसौटी पर हिंदुत्व के दलित अध्याय को लगातार परीक्षा देनी पड़ती है।

चेतन भगत - लेखक

अगर समय पर न्याय चाहिए तो जजों की संख्या बढ़ानी होगी

आखिरकार भारत में कितने जज होने चाहिए? इस सवाल का जवाब कई बार दिया जा चुका है। 40 साल पहले, वर्ष 1987 में जब देश में औसत प्रति 10 लाख आबादी पर मात्र 10.5 जज थे, तब 120वें लॉ कमीशन ने समय पर न्याय दिलाना सुनिश्चित करने के लिए प्रति 10 लाख आबादी पर 50 जजों की सिफारिश की थी। लेकिन आज भी देश में प्रति दस लाख लोगों पर 16 ही जज हैं और जजों की स्वीकृत संख्या लगभग 27 हजार है। कई राज्यों में जजों की स्वीकृत संख्या के एक-तिहाई पद खाली हैं। जजों की संख्या का सवाल इसलिए अहम हो जाता है क्योंकि देश की अदालतों में आज 5 करोड़ से ज्यादा केस लंबित हैं। इनमें 4.5 करोड़ केस निचली अदालतों में ही हैं।

पेंडिंग केसों की बात करें तो 22 राज्यों की अधीनस्थ अदालतों में इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2022 से 2025 तक 5 साल से अधिक समय से लंबित मामलों का प्रतिशत बढ़ा है। 2025 की रिपोर्ट का पूवार्नुमान कहता है कि निचली अदालतों और हाई कोर्ट में 2030 तक पेंडिंग केस 15% की दर से बढ़ेंगे। निचली अदालतों के लंबित केस वर्ष 2030 तक 5.12 करोड़ हो सकते हैं। लंबित केसों का सीधा असर हर जज के कार्यभार पर पड़ता है। अलग-अलग राज्यों में 2024 के अंत तक प्रति जज औसत कार्यभार 2200 केस तक पहुंच गया था। कर्नाटक में प्रति जज लगभग 1,750 केस, केरल में 3,800 केस और उत्तर प्रदेश में 4,300 केसों का कार्यभार था। केवल सात राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कार्यभार 300 केस प्रति जज से कम था।

ये मूलतः उच्च न्यायालयों की जिम्मेदारी है कि जजों के खाली पदों पर नियमित नियुक्ति हो और बढ़ते कार्यभार के अनुरूप जजों की निर्धारित संख्या भी बढ़ती रहे। लेकिन कई समितियों और कमीशंस की रिपोर्ट के बावजूद हालात जस के तस हैं। इसकी एक वजह वित्तीय संसाधनों की कमी बताई जाती है। जजों की संख्या बढ़ने के साथ ही उनके स्टाफ, कोर्टहॉल और जजों और उनके ज्युडिशियल स्टाफ के लिए आवास की भी जरूरत होती है।

जिला अदालतों में हर नए जज के लिए रजिस्ट्रार, स्टेनोग्राफर और दो क्लर्क समेत आठ का स्टाफ चाहिए। हालांकि, न्यायपालिका में निवेश से लाभ को समझना है तो न्यायिक प्रक्रिया में देरी के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले असर को देखा जाना चाहिए। इसलिए सरकारी धन को कम जरूरी या अनावश्यक जगहों के बजाय सही जगहों पर लगाना जरूरी है। जजों की संख्या बढ़ाने में चुनौती वित्तीय भार की ही नहीं है, बल्कि राज्य सरकारें और न्यायपालिका भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। दोनों ने कभी ऐसा स्पष्ट तरीका नहीं अपनाया जिससे पूरी व्यवस्था का वर्कफोर्स बढ़ता रहे। जिला अदालतें हमारी न्याय व्यवस्था की रीढ़ रही हैं, लेकिन इसे मजबूत करने के लिए हमने क्या किया? अत्यधिक केसों के बोझ से दबे ज्यादातर जिला जजों को नए मामलों की तैयारी और उसमें दाखिल हुए दस्तावेजों को देखने, उनकी समीक्षा करने के लिए समय नहीं मिलता। उदाहरण के लिए, अगर किसी नए आपराधिक केस में दर्जनों गवाह हैं तो जज महत्ता के आधार पर उनका अलग-अलग वर्गीकरण करना चाहेंगे। लेकिन अत्यधिक कार्यभार से दबे जजों के पास स्थगन और जल्दबाजी में आदेश देने जैसे अनुचित विकल्प बचते हैं, जिनमें न्यायिक विवेक की पर्याप्त झलक नहीं होती। वित्तीय मामलों से जुड़ी सुनवाई में और समय लगता है।

हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की तर्ज पर, राज्य सरकारों या हाई कोर्ट की तरफ से देश के लगभग सभी 600 न्यायिक जिलों में कम से कम दो जजों के लिए एक-एक पेड ज्युडिशियल क्लर्क या रिसर्च एसोसिएट नियुक्त किए जा सकते हैं। इनमें एक प्रधान जिला न्यायाधीश और दूसरे सबसे अधिक कार्यभार वाले जज हों। हर क्लर्क को 25,000 रुपए भी दिए जाएं तो 600 न्यायिक जिलों में 1,200 ज्युडिशियल क्लर्क पर सालाना 36 करोड़ रुपए से अधिक खर्च नहीं होंगे। लेकिन इससे मुकदमे जल्दी निपटने, अधिक गुणवत्तापूर्ण फैसले और समय पर न्याय मिलने जैसे फायदे होंगे।कानूनी बदलाव के लिए सरकार ने जस्टिस सच्चर आयोग और के रहमान खान की अध्यक्षता वाली संसद की संयुक्त कमेटी की सिफारि-शों का हवाला दिया है। आखिर यह सिफारिशें गैर मुसलमानों की तो नहीं थीं। यह पढे लिखे मुस्लिम समुदाय के नुमाइंदे थे जो कट्टरपंथियों की नहीं कौम की बेहतरी चाहते थे। वक्फ जमीनों को जिला मुख्यालयों के राजस्व विभाग में रजिस्टर्ड कराने और कम्प्यूटर में रिकॉर्ड बनाने से पारदर्शिता आएगी। न्याय के लिए अदालत जाने का मौका मिलेगा।

बिजनेस

सेंसेक्स 70 अंक चढ़कर 80,288 पर बंद

अक्षय तृतीया पर गोल्ड-सिल्वर के रेट में गिरावट

अक्षय तृतीया पर सोना 1,650 सस्ता हुआ

मुंबई। 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया पर सोने और चांदी में गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (क्इखअ) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,650 गिरकर 94,361 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 96,011 थी। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत आज 3,276 कम होकर 94,114 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 97,390 प्रति किलो था। एक्सपर्ट्स के अनुसार मुनाफा वसूली के कारण ये गिरावट देखने क को मिली है। बीते दिनों सोने-चांदी की कीमतें बढ़ने के बाद अब निवेशक अपना गोल्ड बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में शॉर्ट टर्म में सोने-चांदी में और गिरावट देखने को मिल सकती है। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 का और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।दिल्लीः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,900 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 98,040 रुपए है।

मुंबईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,910 रुपए है। कोलकाताः 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,750 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,910 रुपए है। चेन्नईः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,750 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,910 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,800 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,940 रुपए है।आज अक्षय तृतीया मनाई जा रही है। इस दिन हमारे देश में सोना खरीदना शुभ माना जाता है। ऐसे में लोग इस दिन सोने की खरीदारी करते हैं। कई लोग इस सोच के साथ सोना खरीदते हैं कि बुरे वक्त में वे इसका इस्तेमाल कर सकेंगे।

अगले साल अक्षय तृतीया तक 1.05 लाख पहुंच सकता है सोना केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया कहते हैं कि जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ने से गोल्ड को सपोर्ट मिल रहा है। वहीं गोल्ड एळऋमें निवेश भी बढ़ रहा है। इससे गोल्ड की डिमांड बढ़ रही है। ऐसे में अगली अक्षय तृतीया तक सोना 1.05 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (इकर) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी ऌवक्ळकहते हैं। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह होता है- अे4524। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है। 24 कैरेट सोने को सबसे शुद्ध सोना माना गया है, लेकिन इसकी ज्वेलरी नहीं बनती, क्योंकि वो बेहद मुलायम होता है। सोना खरीदते वक्त कैश पेमेंट की जगह वढक (जैसे भीम ऐप) और डिजिटल बैंकिंग के जरिए पेमेंट करना अच्छा रहता है। आप चाहें तो डेबिट या क्रेडिट कार्ड के माध्यम से भी पेमेंट कर सकते हैं। इसके बाद बिल लेना न भूलें।

राज-काज

जापान कभी था आर्थिक महाशक्ति

नई दिल्ली। यह बात सन 2004 की है। उस समय दुनिया की आर्थिक महाशक्ति जापान (खंस्त्रंल्ल) के मुकाबले अमेरिकी स्टेट कैलिफोर्निया की जीडीपी दुनिया महज एक तिहाई थी। दो दशक बाद, अब स्थिति यह है कि कैलिफोर्निया ने जापान को पछाड़ दिया। अब वह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल कर लिया है। यह तो सिर्फ झांकी है। जापान को असली झटका तो इस साल के अंत में मिलेगा, जबकि भारत भी जापान से आगे बढ़ जाएगा। ऐसा अनुमान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जताया है।इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड और यू.एस. ब्यूरो ऑफ इकोनॉमिक एनालिसिस के आंकड़ों से पता चला है कि कैलिफोर्निया का नॉमिनल 4.1 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। गार्डियन के अनुसार, इसने जापान के 4.02 ट्रिलियन डॉलर के नॉमिनल को पीछे छोड़ दिया है। अब यह राज्य वरअ (29.18 ट्रिलियन डॉलर), चीन (18.74 ट्रिलियन डॉलर) और जर्मनी (4.65 ट्रिलियन डॉलर) के बाद चौथे स्थान पर है।

गन्ना किसानों को बड़ी सौगात, सरकार के इस फैसले से होगी बल्ले-बल्ले

नई दिल्लीः सरकार ने गन्ना किसानों के लिए बड़ा फैसला लिया है। बुधवार को हुई एक बैठक में गन्ने का एफआरपी (ऋफढ) बढ़ाने का निर्णय लिया गया। यह बढ़ोतरी अक्टूबर से शुरू होने वाले 2025-26 सत्र के लिए होगी। गन्ने का एफआरपी 4.41 फीसदी बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में यह फैसला लिया गया। इस फैसले से गन्ना किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा।सरकार ने गन्ने का जो एफआरपी बढ़ाया है, वह किसानों के लिए फायदेमंद साबित होगा।

एफआरपी गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य है। अभी जो सत्र चल रहा है, यानी 2024-25, उसके लिए गन्ने का एफआरपी 340 रुपये प्रति क्विंटल है। अब इसे बढ़ाकर 355 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। यह बढ़ोतरी 4.41 फीसदी है।केंद्र सरकार एफआरपी तय करती है। यह एक न्यूनतम मूल्य होता है, जो चीनी मिलों को गन्ना किसानों को देना ही होता है। कानूनी तौर पर चीनी मिलें इस मूल्य पर किसानों से गन्ना खरीदने के लिए बाध्य हैं।सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीसीईए की बैठक के बाद पत्रकारों को इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गन्ने से चीनी की जो रि-कवरी होती है, यानी प्रसंस्करण के दौरान गन्ने से प्राप्त चीनी, वह 10.25 फीसदी रहने पर 355 रुपये प्रति क्विंटल का एफआरपी तय किया गया है।सरकार ने यह भी कहा है कि अगर गन्ने से चीनी की रिकवरी 10.25 फीसदी से ज्यादा होती है तो किसानों को और भी ज्यादा पैसा मिलेगा। हर 0.1 फीसदी की बढ़ोतरी पर किसानों को 3.46 रुपये प्रति क्विंटल का प्रीमियम दिया जाएगा।

इसका मतलब है कि अगर चीनी की रिकवरी ज्यादा हुई तो किसानों को फायदा होगा।वहीं, अगर चीनी की रिकवरी कम होती है तो एफआरपी में कमी भी की जाएगी। हर 0.1 फीसदी की कमी के लिए एफआरपी में 3.46 रुपये प्रति क्विंटल की कमी की जाएगी। लेकिन, सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि किसानों को एक न्यूनतम मूल्य तो मिलेगा ही।अगर चीनी की रिकवरी 9.5 फीसदी होती है तो किसानों को 329.05 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जाएगा।

कभी भारत से ज्यादा तेज दौड़ रही थी पाकिस्तान की इकॉनमी

नई दिल्लीः पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर पहुंच चुके हैं। पाकिस्तान ने आशंका जताई है कि भारत अगले कुछ घंटे में उस पर हमला कर सकता है। अगर ऐसा हुआ तो पाकिस्तान की इकॉनमी ज्यादा दिन तक इस युद्ध को झेलने की स्थिति में नहीं है। पाकिस्तान की इकॉनमी खस्ताहाल है। रुपया रसातल में चला गया है और महंगाई आसमान पर पहुंच गई है। देश कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है और सरकारी खजाना खाली है। डिफॉल्ट से बचने के लिए पाकिस्तान ने एक बार फिर आईएमएफ (क्टऋ) से गुहार लगाई है। पाकिस्तान आज हाथ में कटोरा लेकर पूरी दुनिया में भीख मांग रहा है। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब पाकिस्तान की इकॉनमी भारत से ज्यादा तेजी से बढ़ रही थी।भारत और पाकिस्तान ने 1947 में एक साथ अपनी आर्थिक यात्रा शुरू की थी। दोनों पड़ोसी देश हैं और उनकी साझा विरासत है। यही वजह है कि जब-तब दोनों देशों की तुलना होती रहती है। लेकिन आज भारत काफी आगे निकल चुका है। भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे इकॉनमी है और पाकिस्तान फिर डिफॉल्ट होने के कगार पर है। भारत की जीडीपी पाकिस्तान से करीब 10 गुना ज्यादा है। भारत के पास 686.14 अरब डॉलर का विदेशी भंडार है जबकि पाकिस्तान के पास मुश्किल से 15.436 अरब डॉलर बचे हैं।

आजादी के बाद भारत ने जहां गुट निरपेक्ष आंदोलन का रास्ता चुना, वहीं पाकिस्तान अमेरिका की गोद में जाकर बैठ गया। इसका उसे काफी फायदा भी मिला। साल 1960 में पाकिस्तान की प्रति व्यक्ति जीडीपी 83.33 डॉलर थी जबकि तब भारत की पर कैपिटा जीडीपी 82.2 डॉलर थी। 1990 तक भी भारत और पाकिस्तान की जीडीपी करीब एक बराबर 370 डॉलर पर पर्सन थी। यही नहीं कई सोशयो-इकनॉमिक इंडिकेटर्स पर पाकिस्तान भारत से कहीं बेहतर स्थिति में था। लेकिन इसके बाद हालात तेजी से बदलने शुरू हुए। साल 2007 के बाद से भारत की पर कैपिटा जीडीपी पाकिस्तान से लगातार अधिक बनी हुई है। 2024 में भारत की पर कैपिटा जीडीपी 2,698 डॉलर पहुंच गई जबकि पाकिस्तान की 1588 डॉलर थी।1960 पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार 0.32 अरब डॉलर था जबकि भारत का फॉरेक्स रिजर्व 0.67 अरब डॉलर था। यानी तब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पाकिस्तान से करीब दो गुना ज्यादा था।

रांची में महासुरेश्वर मंदिर की 'कलश यात्रा' में भाग लेते लोग।

शॉट न्यूज

थाने में घुसकर हैड साहब को गोली मारी

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले में पुलिस पर ही हमला किया गया है। जैतवारा थाना परिसर में देर रात एक युवक ने खाना खाने बैठे प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग को गोली मार दी। गोली मारने के बाद युवक फरार हो गया है। आनन फानन में प्रधान आरक्षक को जिला अस्पताल लाया गया, जहां से प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। फिलहाल प्रधान आरक्षक का रीवा मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। इधर, गोली चलाने वाले आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस पार्टियां रवाना कर दी गई हैं। प्रधान आरक्षक को गोली मारने वाले की शिनाख्त मेहुती गांव के रहने वाले आदर्श उर्फ अच्छूं गौतम के तौर पर हुई है। सतना जिले के जैतवारा थाना परिसर स्थित बैरक में ही प्रधान आरक्षक प्रिंस गर्ग रहते हैं। वे रात को अपनी ड्यूटी से फुरसत होने के बाद खाना खाने की तैयारी कर रहे थे। तभी कमरे के बाहर से आवाज आई। उन्होंने देखा तो सामने मुंह बांधे एक युवक खड़ा था।

डकैती की तैयारी कर रहे 5 बदमाश धराए

उज्जैन। मध्य प्रदेश के उज्जैन में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने डकैती डालने की योजना बना रहे हरियाणा के पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाश अंतरराज्यीय मेवात गिरोह से जुड़े हैं। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से हथियारों का जखीरा, वाहन और शराब जब्त की है। एडिशनल एसपी मयूर खंडेलवाल ने बताया कि देर रात रूनिजा से सातऊंडा रोड पर आधा दर्जन बदमाश एक पेट्रोल पंप को लूटने की योजना बना रहे थे। सूचना पर भाटपचलाना थाना प्रभारी सत्येंद्र चौधरी ने टीम के साथ घेराबंदी की और पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान बदमाशों के पास से चाकू, तलवार, लोडेड कट्टा, टामी के साथ हथियार और दो वाहन मिले। पूछताछ में पता चला कि गिरफ्तार बदमाश नासिर खान, रफीक खान, अनिश खान, पिया जवाब उर्फ नब्बु खमेवाती, आशिक मेयाती राजस्थान के अलवर का रहने वाला है, जबकि जाहिद फकीर उज्जैन के शंकरपुर का रहने वाला है।

हार्ट हॉस्पिटल की 5वीं मंजिल पर अग्निकांड

जबलपुर। मध्य प्रदेश के जबलपुर में देर रात नेमा हार्ट हॉस्पिटल की पांचवीं मंजिल पर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। हालांकि समय रहते दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन इस घटना ने शहर में हॉस्पिटलों को लेकर जारी फायर एनओसी की अनदेखी पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, नगर निगम द्वारा की गई जांच में नेमा हार्ट हॉस्पिटल की फायर एनओसी में अनियमितताएं पाई गई थीं। इसको लेकर मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा 17 अप्रैल को अस्पताल प्रबंधन को पत्र भेजकर अस्पताल में मरीजों की नई भर्ती पर रोक लगा दी गई थी। पत्र में स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि वर्तमान में भर्ती मरीजों का इलाज पूरा कर उन्हें डिस्चार्ज किया जाए और नए मरीज न भर्ती किए जाएं। इसके बावजूद अस्पताल में मरीजों की भर्ती और उपचार का कार्य पूर्ववत जारी रहा।

'मुर्गे और बकरे को सिक्योरिटी दो'

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले के कोलारस थाना क्षेत्र के जगतपुर तिराहे पर स्थित मीट मार्केट में इन दिनों व्यापारी दहशत में हैं। दरअसल, उनकी दहशत का कारण इस इलाके में लगातार हो रही चोरी है। चोरी किसी और चीज की नहीं बल्कि मीट शॉप में मुर्गे बकरे की है। पिछले 2 दिन की बात की जाए तो अज्ञात चोरों ने इन दुकानों में चोरी की वारदात को अंजाम देते हुए अब तक 30 मुर्गा-मुर्गी और 8 से ज्यादा बकरा उड़ा ले गए। इस इलाके में मौजूद मीट मार्केट में सोमवार को पहली घटना दर्ज की गई, जहां मीट शॉप चलाने वाले वीरू खटीक की दुकान के ताले तोड़कर 8 बकरों को अज्ञात चोर ले गए। वहीं इसी मीट मार्केट से दूसरी घटना रविवार को भी को सामने आई थी, जहां अज्ञात चोरों ने आशिक खान की दुकान पर धावा बोला और उसमें मौजूद 30 मुर्गों को चोरी कर ले गए। इन घटनाओं से व्यापारियों में दहशत का माहौल बन गया।

सांसद बोले- किसी मियां में ताकत हो तो लव जिहाद करके दिखाए

मेरा जन्म दाढ़ी-टोपी से निपटने के लिए हुआ

संवाददाता ● भोपाल

राजधानी भोपाल में इन दिनों लव जिहाद का मामला गरमाया हुआ है। भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार इस मुद्दे पर बोलते नजर आ रहे हैं। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के अवसर पर ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में लव जिहाद पर जमकर बरसे। सांसद शर्मा ने कहा कि किसी मियां में ताकत हो तो अब लव जिहाद करके दिखाए। शर्मा ने कहा कि मेरा जन्म दाढ़ी टोपी से निपटने के लिए ही हुआ है। वहीं उन्होंने कहा लव जिहाद करने वालों को कड़ी से कड़ी सजा ब्राह्मण समाज देगा। आलोक शर्मा ने हिंदुओं से एक होने का आह्वान किया। सांसद आलोक शर्मा ने अक्षय तृतीया के मौके पर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर विधि विधान से पूजा अर्चना की।

मामला

सनातनी महिलाओं का गरबा अलग करने की मांग

आलोक शर्मा ने कहा कि पुराने भोपाल में हिंदुओं की आबादी घटती जा रही है। इसके साथ ही सनातनी महिलाओं का गरबा अलग से करने की मांग आलोक शर्मा ने की। सांसद ने बताया कि 5 जून को हिंदू समागम है, जिसमें पंडित धीरेन्द्र शास्त्री शिरकत करेंगे। आपको बता दे कि राजधानी के गुफा मंदिर में भगवान परशुराम की प्रतिमा के सामने ब्राह्मण समाज का कार्यक्रम हुआ था, जिसमें सभी ब्राह्मण समाज के सभी संगठन शामिल हुए थे।

राज्य शासन के शासकीय सेवकों और पेंशनरों-परिवार पेंशनरों को देय महंगाई भत्ता और महंगाई राहत में बढ़ोतरी किए जाने का निर्णय

2 हजार मेगावाट सौर पार्क परियोजना से रोशन होगा प्रदेश : सीएम यादव

संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के शासकीय सेवकों और पेंशनरों-परिवार पेशनरों को देय महंगाई भत्ते एवं मंहगाई राहत की दर में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है। महगाई भत्ता एवं मंहगाई राहत की स्वीकृति के फलस्वरूप एरियर राशि सहित राज्य शासन पर कुल व्यय भार 3500 करोड़ रूपये अनुमानित है। मंत्रि-परिषद की बैठक राज्य शासन के सातवें वेतनमान प्राप्त कर रहे शासकीय सेवकों को 1 जुलाई, 2024 से 3 प्रतिशत की वृद्धि करते हुये कुल 53 प्रतिशत एवं 1 जनवरी, 2025 से 2 प्रतिशत की वृद्धि करते हुये कुल 55 प्रतिशत के मान से महंगाई भत्ता में वृद्धि किये जाने का निर्णय लिया गया है। छठवें वेतनमान के कार्मिकों एव निगम / मंडल / उपक्रम के राज्य शासन में प्रतिनियुक्ति पर राज्य शासन में कार्यरत पांचवें एवं चौथे वेतनमान अंतर्गत कार्मिकों को समानुपातिक आधार पर मंहगाई भत्ता में वृद्धि के लिए वित्त विभाग को अधिकृत किया गया। 1 जुलाई, 2024 से 30 अप्रैल, 2025 तक की एरियर राशि का भुगतान जून 2025 से अक्टूबर 2025 तक पांच किश्तों में किया जाएगा। प्रथम किश्त भुगतान माह जून, 2025 ,द्वितीय किश्त भुगतान माह जुलाई, 2025, तृतीय किश्त भुगतान माह अगस्त, 2025, चतुर्थ किश्त भुगतान माह सितम्बर, 2025, पांचवी किश्त भुगतान माह अक्टूबर, 2025 में किया जाएगा।

निर्णय

एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) के लिए समिति गठित

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य शासन के 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त शासकीय कर्मचारियों के लिए एकीकृत पेंशन योजना (यू.पी।एस) लागू करने के संबंध में एक समिति का गठन किया गया है। समिति में अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल अध्यक्ष, प्रमुख सचिव मनीष रस्तोगी, सचिव लोकेश कुमार जाटव, संचालक बजट तन्वी सुन्द्रियाल, उप सचिव अजय कटेसरिया, सदस्य होंगें। संचालक पेंशन मप्र जेके शर्मा, को सदस्य सचिव बनाया गया है। समिति में अंकित अधिकारियों के स्थानांतरण अथवा सेवानिवृत्ति अथवा अन्य कारणों से उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में समिति के सदस्यों में आंशिक परिवर्तन करने के लिए वित्त विभाग के भार साधक सचिव को अधिकृत किया गया है।

दो परियोजनाएं होंगी दो महीने में पूर्ण

1 जनवरी, 2024 से 30 सितम्बर, 2024 की अवधि में सेवानिवृत / मृत शासकीय सेवकों के संबंध में उन्हें/नामांकित सदस्य को एरियर राशि का भुगतान एकमुश्त किये जाने का निर्णय लिया गया। राज्य शासन के पेंशनर्स/ परिवार पेंशनर्स को दिनाक 1 मार्च 2025 से सातवें वेतनमान अंतर्गत 53 प्रतिशत एवं छठवे वेतनमान अतंर्गत 246 प्रतिशत पेंशन राहत स्वीकृत करते हुये छत्तीसगढ़ शासन के पत्र दिनांक 12 मार्च 2025 पर सहमति प्रदान करने का निर्णय लिया गया।मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश व उत्तर प्रदेश की बिजली मांग की अवधि एक दूसरे की पूरक होने के कारण मध्यप्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में पूरक आधार पर विद्युत प्रदाय के लिए मध्य प्रदेश में 2000 मेगावाट सौर पार्क व 1000 मेगावाट कंपोजिट ऊर्जा भंडारण परियोजना स्थापित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है। इस परियोजना से दोनों राज्यों को पृथक-पृथक छः महीनों के लिए बिजली उपलब्ध होगी। कृषि क्षेत्र में होने वाली विद्युत खपत, मध्यप्रदेश की विद्युत खपत का लगभग 41% भाग है। मध्यप्रदेश की जलवायु अनुरुप रबी फसलों के लिए माह अक्टूबर से मार्च के मध्य, कृषि क्षेत्र में सर्वाधिक विद्युत की मांग रहती है। नवकरणीय विद्युत उत्पादन परियोजनाओं का संचालन कृषि क्षेत्र में होने वाली विदयुत मांग के अनुरुप किया जाना चाहिए। कृषि क्षेत्र में मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश की विद्युत आवश्यकताएँ एक दूसरे की पूरक हैं, अर्थात जिस अवधि में उतर प्रदेश को विद्युत आवश्यकता अधिक होती है (खरीफ माहों), उस अवधि में मध्यप्रदेश की विद्युत मांग कम होती है। इसके विपरीत जिस अवधि में मध्यप्रदेश को विद्युत आवश्यकता अधिक होती है (रबी माहों), उत्तर प्रदेश की विद्युत मांग कम होती है।

भगोरिया : नर्मदा परिक्रमा सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय लिस्ट में शामिल

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के प्रयासों को सफलता प्राप्त हुई है। मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड की पहल पर यूनाइटेड नेशंस एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल ऑर्गेनाइजेशन (यूनेस्को) की नोडल एजेंसी संगीत नाटक अकादमी ने मध्य प्रदेश की तीन विरासतों को अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची में सम्मिलित किया है। इन विरासतों में भगोरिया आदिवासी नृत्य, गोंड आदिवासी चित्रकला और नर्मदा परिक्रमा हैं।

आगामी वर्षों में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की अंतर्राष्ट्रीय सूची में इन्हें सम्मिलित किया जा सकता है। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने इस उपलब्धि पर हर्ष जताते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव के मार्गदर्शन में हम मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासतों को विश्व पटल पर पहचान दिलाने के लिए प्रयासरत हैं। इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप यह उपलब्धि हासिल हुई है। यह प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। सूची में नामांकित होने से यह अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनेंगे।

यह होती हैं अमूर्त सांस्कृतिक विरासत

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में वे परंपराएं, प्रथाएं, ज्ञान और कौशल शामिल हैं, जो हमारे पूर्वजों से विरासत में मिले हैं और भविष्य की पीढ़ियों को दिए गए हैं। मूर्त विरासतों में स्मारक या भौतिक कलाकृतियां शामिल होती हैं, वहीं अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एक संस्कृति की जीवंत अभिव्यक्तियों को संदर्भित करती है। इसमें मौखिक परंपराएं, कलाएं, सामाजिक अनुष्ठान, उत्सव के कार्यक्रम, प्रकृति के बारे में ज्ञान और पारंपरिक शिल्प शामिल होते हैं।

भारत के किसी भी हिस्से से किसी भी अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की मान्यता के लिए आवेदन यूनेस्को की नोडल एजेंसी संगीत नाटक अकादमी को प्रस्तुत किए जाते हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची में शामिल करने के लिए मध्य प्रदेश के भगोरिया आदिवासी नृत्य, नर्मदा परिक्रमा और गोंड आदिवासी चित्रकला इंटेजिबल कल्चरल हेरीटेज (आईसीएच) को नामांकित करने के लिए आवेदन विगत वर्ष 2024 में किया था।

खेत में जलाई पराली तो पहुंची रेलवे ट्रैक तक

संवाददाता ● उज्जैन

मध्य प्रदेश के उज्जैन में खेत में जलाई जाने वाली पराली बड़े हादसे का कारण बनते-बनते रह गई। यहां नागदा क्षेत्र में खेतों की पराली में लगाई आग की लपटें रेलवे ट्रैक तक पहुंच गईं। नतीजतन दिल्ली जाने वाली दो-तीन ट्रेन लेट हो गईं। मामले में पुलिस ने मंगलवार को 5 किसानों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दरअसल, नागदा कोटा मार्ग पर रेलवे ट्रैक के पास किसान ने प्रतिबंध के बावजूद खेत में पराली जलाई। हवा के कारण आग भीषण हो गई और उसकी लपटें रेलवे ट्रेक के पास झाड़ियों तक पहुंच गई। यह आग इधर से गुजरने वाली रेल और उसमें बैठे यात्रियों को नुकसान पहुंचा सकती थी। यह देख गेटमैन अनुज गुर्जर ने रेलवे अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद दमकल ने आकर आग पर काबू पाया। गनीमत रही की कोई पेट्रोल, कोयला या गैस से भरी

ट्रेन नहीं गुजरी वर्ना बड़ा हादसा हो सकता था। आग के चलते लगभग 30 मिनट तक रेल यातायात बाधित रहा। माल गाड़ी व पैसेंजर सहित कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ। नतीजतन रेलवे प्रबंधन ने नागदा के मंडी थाने में शिकायत दर्ज कराई। एडिशनल एसपी मयूर खंडेलवाल ने बताया कि आग के बाद रेलवे की शिकायत पर पांच किसानों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

जबलपुर में अनोखा मामला

चोरी से पहले 5 बार किया प्रणाम और साफ कर दिए वहां रखे पैसे

संवाददाता ● जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले से एक अनोखा और अजीबोगरीब मामला सामने आया है। यहां एक चोर की चोरी करने से पहले भगवान के प्रति अनोखी श्रद्धा देखने को मिली। चोरी करने पहुंचे इस चोर ने हनुमान मंदिर में पहले और बाद में कुल दस बार बजरंगबली को प्रणाम किया। चोर की यह पूरी करतूत मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार, आरोपी चोर देर रात के समय कोतवाली थाना क्षेत्र के सुनरहाई सराफा बाजार स्थित चौधरी मार्केट में बने हनुमान मंदिर में चोरी करने पहुंचा। मंदिर के अंदर पहुंचते ही उसने पहले बजरंगबली को पांच बार प्रणाम किया। इसके बाद उसने दरवाजा तोड़ने की कोशिश की। फिर दरवाजे के अंदर हाथ डालकर वहां रखे पैसे चुराए। चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद उसने भगवान को फिर से पांच बार प्रणाम किया और पैसे जेब में रखकर वहां से रफू चक्कर हो गया। इस पूरी घटना का एक मिनट पांच सेकंड का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें चोर की आस्था और चोरी दोनों साफ दिखाई दे रहे हैं। फुटेज में चोर को मंदिर में प्रवेश करते, बार-बार प्रणाम करते और पैसे चुराते हुए देखा जा सकता है। घटना के बाद मंदिर के पुजारी ने कोतवाली थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। इस मामले में एडिशनल एसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी चोर की पहचान करने और उसे गिरफ्तार करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि चोर की गतिविधियों को देखकर यह स्पष्ट है कि वह मंदिर और भगवान के प्रति श्रद्धा तो रखता है।

इस दिन से शुरु होगा भूमि अधिकग्रहण

भोपाल में 836 करोड़ में बनेगा 8 लेन रोड और फ्लाईओवर

संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रत्नागिरी इलाके से लेकर आशाराम तिराहे तक 16 किलोमीटर लंबे अयोध्या बाइपास मार्ग के चौड़ीकरण का काम 1 जून 2025 से शुरू होने जा रहा है। काम की लागत 836 करोड़ रुपए आने की संभावना है। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंयक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने इस संबंध में मंत्रालय में निर्माण एजेंसी एनएचएआई के अधिकारियों और संबंधित विभागों के अन्य अधिकारियों निर्माण कार्य की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की।

बैठक

इस दौरान प्रोजेक्ट डायरेक्टर देवांश नरवाल ने बताया कि, सबसे पहले सर्विस रोड बनाई जाएगी, ताकि यातायात बाधित न हो। चौड़ीकरण में आने वाले पेड़ों को हटाया जाएगा। साथ ही, इनके बदले में इसी सड़क पर चार गुना से ज्यादा पेड़ लगाए जाएंगे। सड़क चौड़ीकरण में आने वाले बिजली पोल- पाइप लाइन को शिट करने के लिए भी समय सीमा तय की गई है। राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने बताया

कि, करीब 2 साल में इस परियोजना को पूरा किया जाएगा। निर्माण कार्य का दायित्व भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को सौंपा गया है। इस परियोजना की अनुमानित लागत 836 करोड़ रुपए है। चौड़ीकरण का काम 1 जून से शुरू होगा। मुख्य सड़क निर्माण से पहले सर्विस रोड बनाई जाएगी, ताकि शहर का यातायात बाधित न हो। यह बायपास वर्तमान में 6 लेन है। 2 सर्विस रोड निर्माण के बाद यह 8 लेन हो जाएगा। बैठक में आनंद नगर लाई ओवर निर्माण, रत्नागिरी तिराहे पर मैट्रो रेल लाई ओवर निर्माण व अन्य निर्माण कार्यों उकी समीक्षा की गई।

आनंद नगर फ्लाई ओवर निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण अगले एक सप्ताह में पूरा करने के निर्देश दिए गए। मेट्रो के लिए भी यहां काम होगा और एलिवेटेड लेन बनेगी। उन्होंने बायपास चौड़ीकरण के दौरान 8 हजार पेड़ों की कटाई के बदले 4 गुना अधिक पौधों का रोपण करने का दावा किया हैं। इस बायपास के दोनों ओर 8 हजार पेड़ काटे जाएंगे। राज्यमंत्री गौर ने स्पष्ट कहा हैं कि निर्माण में किसी भी प्रकार की अड़चन को जल्द रूप से हल किया जाएं। कार्य में किसी प्रकार की देरी न हो जल्द से जल्द कार्य को पूरा करना हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह प्रदेश की एक आदर्श सड़क बनेगी, जिसमें फ्लाईओवर और अन्य आधुनिक सुविधाएं भी शामिल होंगी।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक आदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...
इंदौर, गुरुवार, 01 मई, 2025
www.adityabharat.com

सैफ से तलाक नहीं बल्कि इस शख्स के चले जाने के बाद बुरी तरह टूट गई थीं अमृता सिंह

बॉलीवुड में कई ऐसे तलाक हुए हैं जिनके बारे में आज भी बात करते हैं। उनमें से एक सैफ अली खान और अमृता सिंह हैं। सैफ और अमृता 1991 में शादी के बंधन में बंधे थे। अमृता ने अपने से 12 साल छोटे सैफ अली खान से शादी की थी। दोनों ही अलग-अलग धर्मों से थे। ये शादी ज्यादा नहीं चल पाई और 13 साल बाद 2004 में दोनों का तलाक हो गया था। एक बार अमृता से पूछा गया था कि उनका तलाक ऐसी सबसे मुश्किल चीज है जो उन्होंने फेस की थी। इसके जवाब में अमृता ने कुछ ऐसा कहा था कि सुनकर हर कोई चौंक गया था क्योंकि उसके बाद वो अकेली पड़ गई थीं। अमृता सिंह एक बार पूजा बेदी के शो में गई थीं। जहां पर पूजा ने अमृता से उनके तलाक के बारे में पूछा था। अमृता ने बताया गया कि तलाक नहीं बल्कि उनकी मां का जाना उनकी जिंदगी का सबसे मुश्किल समय है। अमृता ने कहा था- मेरी जिंदगी का सबसे खराब समय तब था जब मेरी मैं मुझे छोड़कर चली गई थीं। वो एक आइडेंटिटी और पिलर मेरी जिंदगी की थी। मेरे पास मां के अलावा कोई और फैमिली नहीं थी। मैं एक टूटे हुए परिवार से थी और मेरे कोई भाई-बहन नहीं थे। मेरे पास सिर्फ मेरी मां थी और मैंने अपनी मां को अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल समय में खो दिया था। उनका जाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था।

'... काजोल होतीं 'तन्वी द ग्रेट' की हीरोइन'

फिल्म इंडस्ट्री में दोस्ती-यारी में लोग एक-दूसरे के लिए फिल्में कर देते हैं या फिल्म में मेहमान भूमिका बिना पैसे लिए कर देते हैं। वहीं कुछ दोस्त ऐसे भी हैं, जो एक फोन पर उन्हें सपोर्ट करने आ जाते हैं। ऐसा ही कुछ अभिनेत्री काजोल ने अभिनेता अनुपम खेर के लिए किया। सोमवार को मुंबई में अनुपम खेर निर्देशित 'तन्वी द ग्रेट' फिल्म के ट्रेलर लांच पर अनुपम ने बताया उन्हें काजोल को केवल एक बार फोन करना पड़ा और उन्होंने फिल्म को सपोर्ट करने के लिए हां कह दिया। जब एंकर ने पूछा कि आपने काजोल को ही क्यों बुलाया ? इस पर काजोल ने कहा, क्योंकि सबसे अच्छी दिखती हूं। इस पर अनुपम ने कहा कि हां वह अच्छी दिखती हैं, लेकिन वह आज के दौर के अनुसार प्रासंगिक इंसान भी हैं परफॉर्मर भी। अनुपम खेर ने आगे बताया, 'मुझे पता था कि वह हां करेंगी। अगर कुछ साल पहले मैं 'तन्वी द ग्रेट' फिल्म बनाता, तो काजोल को तन्वी के रोल में लेता। इस फिल्म से अनुपम नवोदित अभिनेत्री शुभांगी दत्त को मौका दिया है।

'सिर्फ 700 की भीड़ में मैं नहीं गाऊंगी...'

मेलबर्न कॉन्सर्ट में नेहा कक्कड़ ने दिखाए नखरें, रैपर ने खोल दी पोल

नेहा कक्कड़ ने पिछले महीने अपने मेलबर्न कॉन्सर्ट से खूब सुर्खियां बटोरी थीं। नेहा अपने कॉन्सर्ट में 2.5 घंटे देर से पहुंचीं और पहुंचते ही वो स्टेज पर फूट-फूटकर रोने लगी थीं। सिंगर ने दावा किया था कि उन्हें मेलबर्न कॉन्सर्ट में ऑर्गनाइजर्स का सपोर्ट नहीं मिला था। ऑस्ट्रेलियाई इवेंट प्लानर्स पेस डी और बिक्रम सिंह रंधावा ने अब सामने आकर नेहा कक्कड़ के दावों को झूठा बताया है। सिद्धार्थ कन्नन से बात करते हुए, रैपर और इवेंट होस्ट पेस डी ने कहा, 'मेलबर्न से बीट प्रोडक्शन ने नेहा कक्कड़ को कॉन्सर्ट के लिए इनवाइट किया था। अब जब दोनों पक्ष सामने आकर खुलकर बात कर रहे हैं, तो हम क्यों नहीं कर सकते? हम वहां थे और हमनें सब कुछ देखा था। मैंने इवेंट आयोजक प्रीत पाबला भाई से बात की। मैंने उनसे सब कुछ पूछा। वह बहुत अच्छे और सच्चे व्यक्ति हैं। तभी मुझे पता चला कि वह समय पर नहीं पहुंची और कई बार देरी हुई। उन्होंने मुझे बताया कि वह बार-बार कहती रहीं, 'मैं अब नहीं जाऊंगी; मैं यह नहीं करूंगी'।'

देर से पहुंची थीं नेहा : बिक्रम सिंह रंधावा ने इस दावे का समर्थन करते हुए कहा, 'ऑडियंस तैयार थी और काफी उत्साहित थी और उम्मीद कर रही थी कि नेहा कक्कड़ स्टेज पर आएंगीं। लेकिन वो रात 10 बजे तक स्टेज पर पहुंचीं। नेहा कक्कड़ के कॉन्सर्ट का टाइम 7:30 बजे से था, लेकिन वो तय समय से ढाई घंटे देर से पहुंचीं। इसलिए भीड़ नाराज और गुस्से में हो गई। ऑस्ट्रेलिया में लोग अपने समय की कद्र करते हैं। लोग अपने परिवारों के साथ विशेष प्रयास करके आए थे। कुछ ने तो AUD 300 के टिकट खरीदे थे – जो लगभग 15,000 से 16,000 रुपये के बराबर है।'

पेस डी ने यह भी खुलासा किया कि आयोजकों को कथित तौर पर बताया गया था कि नेहा सिर्फ 700 लोगों की भीड़ के सामने परफॉर्म नहीं करेंगी। वो तबतक परफॉर्म नहीं करेंगी जबतक ये जगह भर नहीं जाती। इसके विपरीत, नेहा ने ऑर्गनाइजर्स पर बकाए पैसे का भुगतान किए बिना भागने, उनके बैंड के लिए भोजन, होटल या पानी की व्यवस्था नहीं करने और शो के बारे में इन्फॉर्म करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि साउंड चेक में देरी पेमेंट न होने की वजह से हुई। अब पेस डी ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'यह इतना बड़ा शो था, पूरा टेक राइडर तैयार था। ओपनिंग एक्ट्स थे, और सभी ने प्रदर्शन किया। उनका माइक और पूरा सेटअप पूरी तरह से तैयार था। इसलिए जो बातें वह कह रही हैं, वे सच नहीं लगतीं, क्योंकि हमने अपनी आंखों से देखा कि सब कुछ ठीक से सेटअप किया गया था।'

एक्ट्रेस नेहा मलिक के घर हुई चोरी

गांधी फिर आ गए', 'मुसाफिर' और 'पिंकी मोगे वाली 2' जैसी फिल्मों में नजर आईं एक्ट्रेस नेहा मलिक ने मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में चोरी का मामला दर्ज कराया था। अभिनेत्री की शिकायत के अनुसार, उनके घर 34.49 लाख रुपए की कीमत के गहने चोरी हो गए और अभिनेत्री की मां ने एक घरेलू सहायिका पर चोरी का शक जाहिर किया। घर में हुई चोरी के बाद नेहा मलिक की मां ने मुंबई के ओशिवारा में मौजूद अंबोली पुलिस स्टेशन में हाउस हेल्प के खिलाफ एफआईआर (FIR) दर्ज करवाई। उन्होंने शक जाहिर किया कि इस पूरी घटना को उनकी इसी हाउस हेल्प ने अंजाम दिया है। इस मामले में नया अपडेट ये है कि पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और चोरी के आभूषण भी बरामद कर लिए हैं। नेहा मलिक की मां मंजू मलिक ने रविवार को अपने घर में काम करने वाली हाउस हेल्प के खिलाफ चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने अपनी शिकायत में बताया कि जब शुक्रवार को उनकी हाउस हेल्प काम करने आई तो मंजू घर को उसके भरोसे छोड़कर माथा टेकने के लिए गुरुद्वारे चली गईं। इसके बाद शनिवार को उनकी ये हाउस हेल्प काम करने नहीं आई। ऐसे में उन्होंने कई बार उसे कॉल करने की कोशिश की, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। कई बार फोन करने पर भी जब मंजू की हाउस हेल्प ने फोन नहीं उठाया तो उन्होंने जाकर अलमारी चेक की और उन्हें पता चला कि उनके सारे गहने गायब हैं।

'हम चिल्ला रहे थे', मौनी रॉय के कमरे में घुसने की कोशिश कर रहा था शख्स

मौनी रॉय ने टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय किया और कामयाबी हासिल की, क्योंकि सास भी कभी बहू थी से उन्होंने करियर शुरू किया था और नागिन बनकर घर-घर में पहचान हासिल की। बॉलीवुड में भी उन्होंने गोल्ड और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्मों से नाम कमाया। जल्द ही मौनी रॉय भूतनी मूवी में नजर आने वाली हैं। फिल्म की रिलीज के बीच उन्होंने अपने साथ हुए एक डरावने अनुभव को शेयर किया है। उन्होंने होटल रूम की एक ऐसी कहानी बताई है जो शायद किसी के भी रोंगटे उड़ा दे। उन्होंने बताया कि कैसे एक होटल के कमरे में एक अजनबी शख्स घुसने की कोशिश कर रहा था। उसके रूम की चाबी भी मिल गई थी। बॉलीवुड बबल के साथ बातचीत में मौनी रॉय ने बताया, 'मैं एक छोटे शहर में थी, मुझे ठीक से याद नहीं है कि कौन सा शहर था, लेकिन वहां किसी ने वाकई चाबी चुरा ली और मेरे कमरे को खोलने की कोशिश की। शुक्र है कि मैं अकेली नहीं थी। मैं अपनी मैनेजर के साथ थी। जब हमें एहसास हुआ कि क्या हो रहा है तो हम चिल्लाने लगे।' मौनी रॉय ने आगे कहा, 'फिर हमने रिसेप्शनिस्ट को फोन करने की कोशिश की। उन्होंने सहजता से कहा कि यह हाउसकीपिंग का काम होगा। मैंने उनसे पूछा, 'हाउसकीपिंग में कौन बिना खटखटाए, बिना घंटी बजाए, दरवाजा खोलने आता है, और वह भी रात के 12:30 बजे?'' इसके बाद उन्होंने होटल के स्टाफ को उनके रवैये के लिए खूब खरी-खोटी सुनाई।

रेड 2 की एंट्री से अक्षय-सनी की फिल्मों को झटका

अजय देवगन और रितेश देशमुख की मोस्ट अवेटेड रेड 2 फिल्म 1 मई को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है। रिलीज में अब कुछ ही घंटे बाकी हैं और फिल्म की एडवांस बुकिंग ने बॉक्स ऑफिस पर पहले ही हलचल मचा दी है। दर्शकों में फिल्म को लेकर जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। एडवांस बुकिंग के आंकड़े भी बताते हैं कि अजय देवगन की इस फिल्म ने अक्षय कुमार की हालिया रिलीज केसरी 2 को पीछे छोड़ दिया है। 'रेड 2' 2018 में आई सुपरहिट फिल्म रेड का सीक्वल है जिसका इंतजार दर्शकों को काफी समय से था। फिल्म में अजय के किरदार को काफी पसंद किया गया है। मगर रेड 2 की कहानी इस बार पूरी तरह से नई है। फिल्म का ट्रेलर और म्यूजिक को दर्शकों का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। बॉक्स ऑफिस और एडवांस बुकिंग का आंकड़ा रखने वाली साइट, Sacnilk की रिपोर्ट से पता चलता है कि रिलीज से एक दिन पहले तक फिल्म ने ब्लॉक सीट्स को मिलाकर 7,980 शोज के लिए 10,000 से ज्यादा टिकट्स बिक चुके थे। अब दूसरे दिन की बात करें तो खबर लिखे जाने तक मूवी ने 7.83 करोड़ तक का कलेक्शन कर लिया है। जहां रेड 2 ने एडवांस बुकिंग में शानदार आंकड़े छुए हैं, वहीं अक्षय कुमार की केसरी चैप्टर 2 की बात करें तो इसके आगे काफी पीछे रह गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रेड 2 ने ब्लॉक सीट बुकिंग के साथ मिलाकर 4.94 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, जबकि केसरी 2 महज 1.9 करोड़ रुपये ही जुटा सकी थी। टिकट्स की बात करें तो केसरी 2 की तुलना में रेड 2 की बुकिंग कहीं ज्यादा तेजी से हुई है। मार्च में ईद पर आई सलमान खान की सिकंदर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई, जबकि सनी देओल की जाट ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया था। अप्रैल में आई अक्षय कुमार की केसरी 2 भी खास कमाल नहीं दिखा पाई। अब सारी उम्मीदें अजय देवगन की रेड 2 से जुड़ गई हैं। अर्ली ट्रेंड्स के मुताबिक, फिल्म पहले दिन 6 से 8 करोड़ रुपये तक की ओपनिंग कर सकती है, जो इसे एक मजबूत शुरुआत दिला सकती है।

भोजपुरी सिनेमा से भोजपुरी में आईं कौन हैं एक्ट्रेस अपर्णा मलिक?

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अब लोगों का इंट्रेस्ट बढ़ता जा रहा है और यहां के गानों को लोग खूब पसंद भी करते हैं। बॉलीवुड या साउथ के भी कुछ सितारे अब भोजपुरी सिनेमा की तरफ रुख करने लगे हैं। उन साउथ कलाकारों में एक अपर्णा मलिक भी हैं जो अब भोजपुरी एक्ट्रेस के तौर पर भी जानी जाती हैं। अपर्णा मलिक ने 2023 में भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू किया था, इसके पहले उन्होंने साउथ की कुछ फिल्मों में काम किया था। अपर्णा मलिक किस फिल्म से भोजपुरी सिनेमा का हिस्सा बनीं और उन्होंने अभी तक क्या-क्या काम किया है, आइए जानते हैं। 2023 में रिलीज हुई नारायण मोशन पिक्चक्स की फिल्म सजनवा कैसे तेजब से अपर्णा मलिक ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। इस फिल्म में अपर्णा बतौर लीड एक्ट्रेस नजर आईं और उनके हीरो रितेश पांडे थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अपर्णा ने तेलुगू और तमिल भाषाओं की फिल्मों में काम किया है। इंस्टाग्राम पर अपर्णा मलिक के 5 लाख से ज्यादा फॉलोवर्स हैं और उन्होंने अपने बायो में साउथ के प्रोजेक्ट का भी जिक्र किया है। अपर्णा मलिक का नया गाना 'जब पढ़त पटना रहूं' है जो 30 अप्रैल को एमवी ट्यून्स ऑफिशियल के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया जाएगा। इस गाने को अंकुश राजा और शिल्पी राज ने गाया है और गाने में अंकुश राजा के साथ अपर्णा मलिक नजर आएंगी। अपर्णा मलिक का अरविंद अकेला के साथ भोजपुरी गाना 'सवख राखे हथियार के' कुछ ही दिन पहले इंद्र धनुष रिकॉर्ड्स यूट्यूब चैनल पर आया है। इस गाने को पसंद किया जा रहा है जिसमें अपर्णा अरविंद अकेला के साथ स्वैग वाले अंदाज में नजर आ रही हैं। अपर्णा मलिक के इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर आप देख सकते हैं कि इन्होंने खेसारी लाल और पवन सिंह के साथ भी तस्वीरें शेयर की हैं। अपर्णा भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी जगह अभी बना रही हैं और जल्द ही वो बड़ी एक्ट्रेस के तौर पर नजर आ सकती हैं। अपर्णा की पिछली फिल्म क्योंकि हर एक सास जरूरी होती है आई थी जो यूट्यूब पर 26 अप्रैल को आई और इसमें अपर्णा मलिक के काम को सराहा गया।

प्रभास की फिल्म 'बाहुबली' होगी दोबार रिलीज़

अक्टूबर में सिनेमाघरों में होगा धमाल!

दक्षिण भारतीय फिल्मों के मेगास्टार प्रभास की फिल्म 'बाहुबली' का पहला भाग फिर से रिलीज़ होगा। फिल्म बाहुबली के निर्माता शोबू यारलागड्डा की फर्म अर्का मीडिया ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर इस फिल्म के दोबारा रिलीज़ की घोषणा की है।पोस्ट में लिखा गया है, ''इस खास दिन पर मुझे आप सभी को यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हम इस साल अक्टूबर में बाहुबली को भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फिर से रिलीज़ करने की योजना बना रहे हैं। यह सिर्फ़ एक री-रिलीज़ नहीं होगी, यह हमारे प्यारे प्रशंसकों के लिए जश्न का साल होगा! पुरानी यादें, नए खुलासे और कुछ शानदार आश्चर्यों की उम्मीद के साथ देखिये! बाहुबली। फिल्म बाहुबली अक्टूबर में फिर से रिलीज़ होगी, हालांकि, अक्टूबर में रिलीज़ की तारीख अभी तय नहीं हुई है। एसएस राजामौली निर्देशित लोकप्रिय ब्लॉकबस्टर फिल्म बाहुबली की कहानी महिष्मती साम्राज्य और उसके शासकों के इर्द-गिर्द घूमती है। यह अमरेंद्र बाहुबली, एक शक्तिशाली और न्यायप्रिय राजा, और उसके भाई भल्लालदेव, जो सिंहासन पर कब्ज़ा करना चाहता है, के बीच के संघर्ष की कहानी है। फिल्म बाहुबली में प्रभास, राणा दग्गुबाती, अनुष्का शेट्टी, तमन्ना भाटिया और राम्या कृष्णन ने प्रमुख भूमिकाएँ निभाई थीं। इस बड़े बजट की पीरियड फिल्म को बनाने में तीन साल से ज़्यादा का समय लगा और हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में एक बड़ा सेट बनाया गया। इस फिल्म को वर्ष 2016 में 'सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार' से सम्मानित किया गया और निर्देशक राजामौली को 'फिल्मफेयर सर्वश्रेष्ठ निर्देशक-तेलुगु पुरस्कार' मिला। दो साल के इंतज़ार के बाद निर्माताओं ने 2017 में 'बाहुबली: द कन्क्लूजन' रिलीज़ की जो एक बड़ी हिट फिल्म रही।

टीम मैनेजमेंट ने वीडियो जारी कर बताई सचाई

कुलदीप-रिंकू थप्पड़ विवाद को केकेआर ने किया खारिज

एजेंसी ● नई दिल्ली

कुलदीप यादव और रिंकू सिंह के बीच थप्पड़ विवाद पर अब कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने चुप्पी तोड़ी है और ऐसी किसी घटना को खारिज किया है। दरअसल, दिल्ली कैपिटल्स और केकेआर के बीच मंगलवार को खेले गए मैच के बाद सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें दिख रहा था कि कुलदीप ने रिंकू को दो बार थप्पड़ जड़े। इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस हैरत में पड़ गए थे कि आखिर किस कारण कुलदीप ने रिंकू को थप्पड़ लगाए।

मजाकिया अंदाज में मारा था थप्पड़

वीडियो देखकर लग रहा था कि कुलदीप ने मजाकिया अंदाज में रिंकू के चेहरे पर दो बार थप्पड़ मारे, जिससे केकेआर का यह बल्लेबाज असमंजस में पड़ गया। भारतीय टीम के लिए साथ खेलने वाले कुलदीप और रिंकू के बीच अच्छी दोस्ती है और यह दोनों खिलाड़ी अरुण जेटली स्टेडियम में मैच के दौरान खुश नजर आ रहे थे। वीडियो में

भी दिखा था कि रिंकू हंस-हंस कर बातें कर रहे हैं, लेकिन तभी किसी बात पर कुलदीप रिंकू को थप्पड़ मार देते हैं। इसके बाद रिंकू हैरानी भरी नजर से कुलदीप को देखते हैं और फिर से कुलदीप रिंकू को थप्पड़ मारते हैं।

कुलदीप-रिंकू का दिखा याराना- विवाद उठने के बाद केकेआर ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें कुलदीप और रिंकू का याराना दिख रहा है। इस वीडियो में दोनों 'लव' का साइन बनाते दिख रहे हैं और एक दूसरे के कंधे पर हाथ डालकर खड़े हैं। वीडियो में आगे दोनों के बीच कितनी गहरी दोस्ती है उसे दर्शाया गया है।

केकेआर ने दिल्ली को दी मात

इस मैच में केकेआर ने दिल्ली को 14 रनों से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें जीवंत रखी है। गत विजेता केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी की 44 रनों की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 204 रन बनाए। जवाब में दिल्ली निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बना पाई और लगातार दूसरा मुकाबला हार गई। दिल्ली ने इस सत्र में अब तक कुल चार मुकाबले अपने घर में खेले हैं। इनमें उन्होंने तीन मैच गंवाए जबकि एक में उन्हें सुपरओवर में जीत मिली है। वहीं, घर से बाहर अक्षर पटेल की टीम ने छह में से पांच मुकाबले जीते, जबकि एक में उन्हें शिकस्त मिली है। मंगलवार को इस जीत के साथ कोलकाता ने अपनी प्लेऑफ की आस बरकरार रखी है। उनके खाते में नौ अंक हो गए और उनका नेट रन रेट 0.271 हो गया है। वहीं, दिल्ली 12 अंक और 0.362 का नेट रन रेट लेकर चौथे स्थान पर है।

कमीलियंट ने दी सबसे कठिन परीक्षा को चुनौती सबसे दमदार मज़बूती!

एजेंसी ● मुंबई

कमीलियंट, एक ऐसा ब्रांड जो अपने बोल्ड, मज़बूत और स्टाइलिश लगेज के लिए जाना जाता है, 2014 में अपनी स्थापना के बाद से यात्रा बैग्स की दुनिया में क्रांति ला चुका है। कमीलियंट स्ट्रेंथ और वाइब्रन्ट एस्थेटिक डिज़ाइन का बेहतरीन मेल है, जो आज के यात्रियों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है – ऐसे यात्री जो विश्वसनीयता चाहते हैं, लेकिन स्टाइल के साथ कोई समझौता नहीं करते। किसी भी यात्रा के लिए डिज़ाइन किया गया कमीलियंट लगेज हर चुनौती के लिए तैयार है – फिर चाहे वह एक कठिन कैम्पैन हो या एक्शन से भरपूर जर्नी!

अपने पहले टीवीसी कैंपेन की सफल शुरुआत के बाद, कमीलियंट एक और ज़बरदस्त सीक्वल के साथ वापस आया है! इस बार बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ और वर्सटाइल निकिता दत्ता के साथ, नया टीवीसी एक लोकप्रिय भारतीय पीरियड फिल्म की पैरोडी है, जिसमें कॉमेडी और ड्रमैटिक अंदाज़ के साथ एक प्रेस्टीजियस आइकानिक वॉर को प्रस्तुत किया गया है – और वहीं कमीलियंट की मज़बूती की सबसे कठिन परीक्षा ली जाती है।

पहले वाले ज़बरदस्त टीवी विज्ञापन में, जहाँ कमीलियंट के बैग ने एक धमाका सह लिया था, यह नया विज्ञापन उससे भी आगे निकल गया है। यह नया विज्ञापन एक बड़े लड़ाई के मैदान में बनाया गया है, जो हुम्रस वेय में दिखाता है कि कैमिलिएंट के बैग कितने मज़बूत और टिकाऊ हैं। इतने मज़बूत कि वे सबसे मुश्किल हालातों में भी टिक सकते हैं, यहाँ तक कि एक बड़ी लड़ाई में भी! जैसे ही जंग तेज़ होती है, टाइगर श्रॉफ एक निडर योद्धा की भूमिका में ज़ोर से चिल्लाते हैं, 'नाम है टाइगर, काम है टू मच तोड़-फोड़!' और जलते हुए उड़ते गदा से निकिता की सेना पर हमला करते हैं। सबको लगता है कि ये हमला रोका नहीं जा सकता — लेकिन निकिता चालाकी से कमिलियन ब्रिफकेस को ढाल की तरह इस्तेमाल कर उस वार को रोक देती है। मैदान में सभी योद्धा हैरान रह जाते हैं क्योंकि लगेज़ को एक खरोंच तक नहीं आती। इसके बाद क्या होता है? उड़ते तीरों से लेकर जलते हुए तोप के गोलों तक – सब लगेज़ पर गिरते हैं, लेकिन कोई असर नहीं होता।

अलविदा कहने का समय बाकी है

धोनी अपने आईपीएल कॅरियर पर लगा दें ब्रेक : एडम गिलक्रिस्ट

एजेंसी ● नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट चाहते हैं कि महेंद्र सिंह धोनी अब अपने आईपीएल करियर पर ब्रेक लगा दें। गिलक्रिस्ट ने धोनी को आईपीएल 2025 सीजन के बाद संन्यास लेने की सलाह दी है। 43 साल के धोनी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलते हैं और ऋतुराज गायकवाड़ की अनुपस्थिति में टीम की कमान संभाल रहे हैं। गायकवाड़ चोट के कारण सीजन के बीच से बाहर हो गए थे।

सीएसके के लिए अच्छा नहीं रहा सीजन

सीएसके के लिए यह सीजन अच्छा नहीं रहा है और टीम अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर है। सीएसके और पंजाब किंग्स के बीच बुधवार को आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला जाएगा। गिलक्रिस्ट ने इस मैच से पहले कहा कि धोनी आईपीएल और विश्व क्रिकेट के आइकॉन है और उनके लिए कुछ भी साबित करना शेष नहीं है।

धोनी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिए हुए लंबा समय हो चुका है और वह इस सीजन आईपीएल में अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर खेल रहे हैं। धोनी के आईपीएल से संन्यास लेने की खबरें लगातार चर्चा का विषय रहती हैं और माही ने हाल ही में इस बारे में चुप्पी तोड़ी थी। धोनी ने प्रशंसकों को भरोसा दिलाया था कि वह इस सीजन के अंत में अपने करियर को अलविदा नहीं कह रहे। धोनी ने बताया था कि वह अपने शरीर को आठ महीने का समय देंगे यह देखने के लिए कि क्या 44 साल की उम्र में भी वह खेल सकते हैं। उनके पास अभी समय है यह जानने के लिए कि क्या वह इस लीग में अलविदा कहेंगे।

उन्हें कुछ साबित करने की ज़रूरत नहीं

गिलक्रिस्ट ने कहा, धोनी को खेल में किसी को कुछ साबित करने की जरुरत नहीं है। हालांकि, उन्हें पता होगा कि क्या करना है, लेकिन भविष्य के लिए शायद उन्हें अगले साल आईपीएल खेलने की जरुरत नहीं है। धोनी मुझे पसंद हैं और वह एक चैंपियन और आइकॉन हैं।

प्रकाशक की अर्जी पर दिल्ली हाईकोर्ट ने जारी किया नोटिस

रोबोट डॉग का नाम 'चंपक' रखने पर बीसीसीआई से मांगा जवाब

एजेंसी ● नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने आईपीएल में एआई रोबोट डॉग का नाम 'चंपक' रखने पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से जवाब मांगा है। हाईकोर्ट ने बच्चों की प्रसिद्ध पत्रिका चंपक की अर्जी पर सुनवाई करते हुए बीसीसीआई से जवाब मांगा है। चंपक पत्रिका ने एआई रोबोट डॉग का नाम चंपक रखने पर आपत्ति जताई है और इसे कथित तौर पर ट्रेडमार्क नियम का उल्लंघन बताया है।

चार सप्ताह के भीतर मांगा जवाब

न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी ने कहा कि चंपक हमेशा से एक मौजूदा ब्रांड नाम रहा है और बीसीसीआई को चार सप्ताह के भीतर याचिका के जवाब में अपना लिखित जवाब दाखिल करने को कहा है। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई नौ जुलाई को तय की है। यह याचिका दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर की गई है जो 1968 से चंपक पत्रिका का प्रकाशन कर रही है।

बीसीसीआई के वकील ने जताया विरोध

प्रकाशक की ओर से पेश अधिवक्ता अमित गुप्ता ने कहा कि रोबोट डॉग का नाम 'चंपक' रखना उसके पंजीकृत ट्रेडमार्क का उल्लंघन है और साथ ही इसका व्यावसायिक दोहन भी है, क्योंकि चंपक एक जाना-माना ब्रांड है। हालांकि, बीसीसीआई की ओर से पेश हुए सीनियर वकील जे साई दीपक ने इस याचिका का विरोध किया। उनका कहना था कि चंपक एक फूल का नाम है और लोग रोबोट डॉग को पत्रिका से नहीं, बल्कि टीवी सीरीज के एक पात्र से जोड़ रहे हैं।

विराट का निकनेम चीकू है

सुनवाई के दौरान जज ने मौखिक रुप से कहा कि क्रिकेटर विराट कोहली का निकनेम 'चीकू' है, जो चंपक मैगजीन के किरदारों में से एक है। उन्होंने पूछा कि प्रकाशक ने उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? अदालत द्वारा यह पूछे जाने पर कि किस तरह यह ट्रेडमार्क का उल्लंघन है, इस पर प्रकाशक की ओर से पेश वकील ने कहा कि आईपीएल एक वाणिज्यिक संस्था है और यह विज्ञापन, मार्केटिंग और कमाई पर आधारित है।

टी-20 में समित पटेल की बराबरी की

एक टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने सुनील नरेन

एजेंसी ● मुंबई

कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन टी20 क्रिकेट में किसी एक टीम के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इस मामले में नॉटिंघमशायर के समित पटेल की बराबरी कर ली है। केकेआर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम में आईपीएल 2025 का मुकाबला खेला गया जिसमें केकेआर ने 14 रनों से जीत दर्ज कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें जीवंत रखी।

गत विजेता केकेआर ने अंगकृष रघुवंशी की 44 रनों की शानदार पारी की बदौलत 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 204 रन बनाए। जवाब में दिल्ली निर्धारित ओवर में नौ विकेट खोकर 190 रन बना पाई और लगातार दूसरा मुकाबला हार गई। इस मैच में नरेन ने चार ओवर में 29 रन देकर तीन विकेट और टीम को मैच जिताने में अहम भूमिका निभाई। नरेन ने इसके साथ ही टी20 में बड़ी सफलता अपने नाम दर्ज कर ली। नरेन लंबे समय से आईपीएल में केकेआर टीम का हिस्सा हैं और केकेआर की सफलता में उनका बड़ा योगदान है। नरेन केकेआर के लिए अब तक 208 विकेट ले चुके हैं जो टी20 में किसी टीम के लिए एक गेंदबाज का संयुक्त रूप से सर्वाधिक विकेट है। नरेन ने इस मामले में समित की बराबरी की जिन्होंने नॉटिंघमशायर के लिए 208 विकेट लिए हैं। नरेन एक विकेट लेते हुए समित से आगे निकल जाएंगे। नरेन और समित दो ही ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने पुरुष टी20 क्रिकेट में एक टीम के लिए 200 से अधिक विकेट लिए हैं।

पंकज त्रिपाठी 'पक्का जोड़' को मज़बूत करने के लिए यूरो एडेसिव्स फैमिली में शामिल

एजेंसी ● मुंबई

ज्योति रेज़िन्स एंड एडेसिव्स लिमिटेड के ब्रांड और वुड एडेसिव्स श्रेणी में भारत के सबसे तेज़ी से बढ़ते नामों में से एक यूरो एडेसिव्स ने मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी को अपना पहला ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह स्ट्रैटिजिक सहयोग ब्रांड की राष्ट्रीय उपस्थिति को बढ़ाने तथा उपभोक्ताओं, प्रोफ़ेशनल्स और ट्रेड पार्टनरों के साथ इसके संपर्क को गहरा करने के व्यापक दृष्टिकोण का एक हिस्सा है। इस घोषणा के साथ ही यूरो एडेसिव्स का बिलकुल नया विज्ञापन अभियान #SirfJodoNahin FayedonK eSaathJodo भी लॉन्च किया जा रहा है, जो ब्रांड के विकसित वैल्यू प्रपोज़िशन की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति है - जो न केवल एक मज़बूत बंधन का वादा करता है, बल्कि तेज़ी से सूखने, दीमक प्रतिरोध, जलरोधक, मौसम रोधी जैसे सार्थक परफ़ॉरमेंस देता है और उत्पाद के कम उपयोग के साथ अधिक कवरेज देता है। यह 360-डिग्री अभियान मई 2025 में टेलीविज़न, प्रिंट, डिजिटल और आउट-ऑफ-होम प्लेटफ़ॉर्म पर लाइव होगा। कैम्पेन में पंकज त्रिपाठी को अलग-अलग रूपों में दिखाया गया है- पड़ोस के हार्डवेयर स्टोर का मालिक, एक घर का समझदार मालिक - प्रत्येक फ़िल्म में वास्तविक दुनिया की एक एडेसिव रिलेटेड चुनौती को दर्शाया गया है, जिसे यूरो के विश्वसनीय समाधानों के साथ वर्षों से हल किया गया है! इस घोषणा पर बोलते हुए, ज्योति रेज़िन्स एंड एडेसिव्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री उत्कर्ष पटेल ने कहा, "यूरो एडेसिव्स में, हम हमेशा मज़बूत, स्थायी संबंध बनाने में विश्वास करते हैं - न केवल सामग्रियों के बीच, बल्कि हमारे ईकोसिस्टम में प्रत्येक हितधारक के साथ। पंकज त्रिपाठी में, हमें एक ऐसा व्यक्तित्व मिला जो विश्वास, प्रामाणिकता और अखिल भारतीय अपील का प्रतीक है। उनका चरित्र हमारे मूल्यों के साथ खूबसूरती से मेल खाता है, और इस पार्टनरशिप के माध्यम से, हमारा लक्ष्य ब्रांड रिकॉल को और तेज़ करना, परफॉरमेंस ड्राइव करना और राष्ट्रीय स्तर पर शहरी और ग्रामीण बाज़ारों में अपनी पहुँच का विस्तार करना है।" पंकज त्रिपाठी ने यूरो परिवार में शामिल होने के बारे में अपनी उत्तेजना साझा की, "मेरा मानना है कि ताकत नींव में होती है - चाहे वह कहानियों में हो या संरचनाओं में।

कॉयनस्विच ने लॉन्च किए आईएनआर-आधारित क्रिप्टो फ्यूचर्स

बैंगलुर। भारत के सबसे बड़े क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कॉयनस्विच नेआईएनआर-आधारित क्रिप्टो फ्यूचर्स के लॉन्च की घोषणा की है। इस नए फीचर के साथ यूज़र सीधे आईएनआर (भारतीय रूपयों) में फ्यूचर्स ट्रेडिंग कर सकेंगे, और इसे यूएसडीटी (अमेरिकी डॉलर) में कन्वर्ट करने की ज़रूरत नहीं होगी। इस तरह ट्रेडिंग का पूरा अनुभव सहज एवं प्रभावी हो जाएगा। यूज़र्स की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए कंपनी यह नया फीचर लेकर आई है- क्योंकि भारतीय यूज़र के लिए यूएसडीटी (जिसका उपयोग आमतौर पर ग्लोबल मार्केट में किया जाता है) के बजाए आईएनआर में ट्रेडिंग करना अधिक सहज एवं भरोसेमंद है। इस फीचर के चलते यूज़र को आईएनआर को यूएसडीटी में कन्वर्ट नहीं करना पड़ेगा। कायॅनस्विच का उद्देश्य ट्रेडिंग के अनुभव को सहज तथा फ्यूचर्स ट्रेडिंग को भारतीय मार्केट के लिए सुलभ एवं यूज़र-अनुकूल बनाना है।

ओबेन इलेक्ट्रिक ने लॉन्च किया 'प्रोटेक्ट 8/80' प्लान

बैंगलोर। भारतीय इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक ने 1 मई से शुरू होने वाला नया 'प्रोटेक्ट8/80 प्लान' लांच किया है। इसकी कीमत सिर्फ 9999 रुपए हैं। यह 8 साल या 80,000 किलोमीटर तक की बैटरी वारंटी देता है। ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा, यात्री इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल सेगमेंट में यह अपनी तरह की पहली पेशकश है।

ब्रांड के'ओबेन प्रोटेक्ट'प्लेटफॉर्म के तहत दी जा रही इस वारंटी में बैटरी की पूरी गारंटी मिलती है जिसमें बैटरी की रिपेयरिंग, बैटरी चेंज करना और बैटरी से जुड़ी हर तरह की खराबी शामिल है। ताकि कस्टमर्स सालों तक बेफिक्र होकर राइड कर सकें। कस्टमर्स को यह भी गारंटी दी जाती है कि वारंटी पीरियड के दौरान रोर ईजेड की टॉप स्पीड और एक्सीलेरेशन एक जैसी बनी रहेगी, जो असली रास्तों पर ईवी मालिकों की सबसे बड़ी चिंता को दूर करता है। करंट और फ्यूचर ओनर्स के लिए एक बड़ा फायदा यह है कि यह वारंटी पूरी तरह ट्रांसफरेबल है। ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा, यह नया बैटरी प्रोटेक्ट प्लान हमारी तकनीक में हमारे पूरे भरोसे और कस्टमर्स को लंबे समय तक संतुष्टि देने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाती है। हमारा मकसद है कि चाहे आपने राइडर हों या फ्यूचर में बाइक खरीदने वाले, हरदिन आपको बेहतर परफॉरमेंस और मन की पूरी शांति मिले।

उन्होंने अचानक संन्यास लेकर चौंका दिया था

100वें टेस्ट के बाद ही मैं संन्यास लेने वाला था-रविचंद्रन अश्विन

एजेंसी ● नई दिल्ली

भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया था। अब उन्होंने खुलासा किया है कि वह अपने 100वें टेस्ट मैच के बाद ही संन्यास का एलान करने वाले थे। हालांकि, उन्होंने ऐसा नहीं किया और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिर्फ एक मैच खेलकर संन्यास की घोषणा की थी।

मैं अच्छा खेल रहा था

अश्विन ने माइक हसी से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास पर बात की। अश्विन ने कहा- ईमानदारी से कहूं तो मैं अपने सौवें टेस्ट (मार्च 2024 में धर्मशाला में) के बाद संन्यास लेना चाहता था। फिर मैने सोचा कि घरेलू सत्र में एक मौका और लेते हैं क्योंकि मैं अच्छा खेल रहा था, विकेट ले रहा था, रन बना रहा था। मैंने सोचा कि चेन्नई टेस्ट (बांग्लादेश के खिलाफ) के बाद संन्यास लूंगा लेकिन फिर मैने छह विकेट लिए और शतक बनाया। अच्छा प्रदर्शन करते हुए छोड़ना बहुत मुश्किल होता है। मैं फिर खेलता गया और फिर हम न्यूजीलैंड से हार गए । फिर मैने सोचा कि चलो आस्ट्रेलिया दौरे पर देखते हैं कि प्रदर्शन कैसा रहता है। पिछली बार आस्ट्रेलिया दौरे पर मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था एक मैच

38 वर्षीय इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिर्फ एक मैच खेला था। अश्विन को पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच के लिए प्लेइंग-11 में मौका नहीं दिया गया था, जबकि वह एडिलेड में खेले गए पिंक बॉल टेस्ट के लिए टीम में शामिल थे जो उनके करियर का अंतिम मैच रहा। तीसरे टेस्ट में अश्विन की जगह रवींद्र जडेजा को मौका दिया गया था। अश्विन ने टेस्ट में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज के तौर पर अपना करियर समाप्त किया। 106 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 537 विकेट झटके और वह बस पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले से पीछे थे जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में 619 विकेट लिए हैं।

तीसरे टेस्ट में जगह नहीं मिलने पर सोचा था

इस दौरान अश्विन ने बताया कि तीसरे टेस्ट में जगह नहीं मिलने के बाद उन्हें लगा कि यह संन्यास लेने का सही समय है। उन्होंने आगे कहा- मैं खेल का मजा ले रहा था लेकिन इसके लिए शारीरिक और मानसिक तौर पर काफी मेहनत कर रहा था। सबसे अहम बात थी कि मैं परिवार के साथ समय बिताना चाहता था। फिर जब पर्थ टेस्ट में जगह नहीं मिली तो मैंने सोचा कि यह पूरा सर्कल फिर नहीं दोहराना है। लोगों की नजर में आपके जज्बात की बहुत कम कीमत होती है। वे नहीं समझते कि आप किन भावनाओं से गुजर रहे हैं। मैं संन्यास के बारे में सोच ही रहा था और फिर मुझे लगा कि यह सही समय है।

!! श्रीकृष्ण शरणंमम !!
दैनिक अदित्य भारत
सदैव सत्य के साथ...

गर्मी में भीषण अग्निकांड...

दक्षिण कोरिया- दक्षिण-पूर्वी शहर डेगू में माउंट हामजी पर पिछले दिन लगी आग के बाद एक रिहायशी इलाके के पास जंगल में आग भड़क उठी।

तेलंगाना में विस्फोटक बनाने वाली फैक्ट्री में ब्लास्ट, तीन की मौत

हैदराबाद। तेलंगाना के यादाद्री-भुवनगिरी जिले के कटेपल्ली गांव में विस्फोटक बनाने वाली एक फैक्ट्री में मंगलवार शाम को विस्फोट हो गया। फैक्ट्री में विस्फोट के कारण तीन लोगों की मौत हो गई और इतने ही लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोट एक इकाई में हुआ, जहां प्रणोदक का निर्माण होता है। उन्होंने बताया कि यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विस्फोट कैसे हुआ। पुलिस ने बताया कि घायलों का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि फैक्ट्री में वाणिज्यिक और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) सहित प्रमुख संस्थानों के लिए विस्फोटक बनाए जाते रहे हैं। वहीं दमकल विभाग एक अधिकारी के अनुसार, मंगलवार शाम 6।40 बजे फैक्ट्री में विस्फोट होने की सूचना प्राप्त हुई, जिसके बाद दो दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया।

विशाखापत्तनम के सिंहाचलम मंदिर में बड़ा हादसा

मंदिर की दीवार गिरने से 8 की मौत, कई जख्मी

एजेंसी ● विशाखापत्तनम

आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम के श्री वराहलक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर में दीवार गिरने से कई लोगों के मारे जाने की खबर आ रही है। बताया जा रहा है ये मंदिर की ये दीवार चंदनोत्सवम के दौरान गिरी है। इस घटना में अभी तक 8 लोगों की मौत की खबर है जबकि कई लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस मौके पर राहत और बचाव कार्य चला रही है।

हादसा

प्रधानमंत्री मोदी ने इस घटना की सूचना मिलने के बाद मृतकों के परिवार को 2 लाख रुपये और घायलों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। सिंहाचलम में हुए दुखद हादसे पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट किया और अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति दुख और संवेदना व्यक्त की।

पीएमपी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया कि आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में दीवार गिरने से हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

आखिर हादसा हुआ कैसे?

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मंदिर में ये हादसा उस समय हुआ जब भक्तों की भीड़ चंदनोत्सवम के लिए इकट्ठा हुई थी. इसी दौरान अचानक 20 फीट की एक दीवार का हिस्सा ढह गया. इससे वहां भगदड़ मच गई. इस हादसे को लेकर जिले के कलेक्टर हरेंद्र प्रसाद ने कहा कि बचाव टीमें घायलों को अस्पताल पहुंचा रही हैं।

मंगलवार से ही जमा थी भीड़

बताया जा रहा है कि भगवान के वास्तविक रुप के दर्शन करने के लिए भक्तों की भारी भीड़ मंगलवार दोपहर से ही सिंहगिरी में मौजूद थी। इस वजह से जिस समय ये हादसा हुआ उस दौरान मची भगदड़ के कारण ज्यादा लोग इसकी चपेट में आ गए। घटना में कितने लोग घायल हैं इसका अभी ठीक-ठीक संख्या नहीं बताई गई है।

कोलकाता के होटल में लगी भीषण आग में 14 मौतें

एजेंसी ● कोलकाता

कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया, 'यह आग लगने की घटना रात करीब 8:15 बजे ऋतुराज होटल के परिसर में हुई। चौदह शव बरामद किए गए हैं और टीमों द्वारा कई लोगों को बचाया गया है। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में फलपट्टी मछुआ के एक होटल में आग की घटना सामने आई है, जिसमें करीब 14 लोगों की मौत हो गई है। एजेंसी के मुताबिक, एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया, 'मंगलवार को मध्य कोलकाता में फलपट्टी मछुआ के पास एक होटल में लग गई। हादसे में करीब 14 लोगों की मौत हो गई है।' कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज कुमार वर्मा ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया, 'यह आग लगने की घटना रात करीब 8:15 बजे ऋतुराज होटल के परिसर में हुई। चौदह शव बरामद किए गए हैं और टीमों द्वारा कई लोगों

को बचाया गया है।' कोलकाता पुलिस ने बताया कि होटल में कुल 60 लोग थे। मरने वालों की संख्या 14 बताई जा रही है, जिसमें 11 पुरुष, एक महिला और 2 बच्चे शामिल हैं। कुल 8 शवों की पहचान कर ली गई है। इसके साथ ही, 13 लोग घायल हैं, जिनमें से 12 को हॉस्पिटल से छुट्टी मिल गई है और एक भर्ती है। PTI की रिपोर्ट के मुताबिक, दस दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन पूर्वी भारत के सबसे बड़ी थोक मार्केट बड़ाबाजार में भीड़भाड़ वाले इलाके में आपातकालीन सेवाओं को काम करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

3 लोगों की मौत

स्वीडन में मास शूटिंग, सैलून में घुसकर की ताबड़तोड़ फायरिंग

संवाददाता ● इंदौर

स्वीडन के उप्साला शहर में मंगलवार (29 अप्रैल) को एक हेयर सैलून में मास शूटिंग की घटना हुई है। सैलून के अंदर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई है। इस मास शूटिंग की घटना में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा कई अन्य घायल भी हुए। स्वीडन के स्थानीय अखबार UNT ने स्वीडन पुलिस के हवाले से कहा कि स्वीडन के उप्साला शहर में मास शूटिंग के दौरान तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना शहर के मध्य में स्थित वाक्साला स्क्वायर के पास घटी।

घटना

बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना जिस समय हुई उस समय लोग वालपुर्गिस स्प्रींग फेस्टिवल की पूर्व संध्या मना रहे थे। इस फेस्टिवल के दौरान लोगों की भारी भीड़ सड़क पर

मौजूद थी। सैलून में फायरिंग की आवाज सुनकर लोगों के बीच अफरातफरी मच गई। वहीं, पूर्वी स्वीडिश शहर की पुलिस के हवाले से न्यूजवीक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि फेस्टिवल में मौजूद लोगों ने जब फायरिंग की आवाजें सुनी तब उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। स्वीडिशॉ पुलिस ने कहा कि उन्होंने इस घटना के बाद लोगों के कई कॉल रिसीव किए। पुलिस ने एक बयान में कहा कि कुछ लोगों को ऐसी चोटें आई हैं जो गोली लगने की ओर संकेत करती हैं।' वहीं, यूरोन्यूज के मुताबिक, इस घटना के बाद अधिकारियों ने शहर के एक बड़े हिस्से को पूरे तरह से घेर लिया।

स्वीडन के ओरेब्रू शहर में हुई थी फायरिंग

स्वीडन के उप्साला शहर में हुई इस गोलीबारी के अलावा इस साल फरवरी महीने में स्वीडन के ओरेब्रू शहर में एक 35 साल के बेरोजगार शख्स ने एक एडल्ट एजुकेशन सेंटर में मास शूटिंग कर दी थी। एजुकेशन सेंटर में हुई गोलीबारी में शिक्षकों और छात्रों को मिलाकर कुल 10 लोगों की मौत हुई थी। इस घटना को देश का सबसे घातक मास फायरिंग कहा गया। ओरेब्रू शहर में मास फायरिंग की घटना के बाद देश की दक्षिणपंथी सरकार ने बंदूक नियंत्रण कानूनों को कड़ा करने की योजना की घोषणा की थी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक - दीपक बुड़ाना द्वारा चैतन्य लोक ग्राफिक्स, एलयूएन-22, सेक्टर-एफ इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (मध्यप्रदेश) से मुद्रित एवं 66 बी शुभम पैलेस, छोटा बांगड़दा रोड इंदौर से प्रकाशित।
संपादक- दीपक बुड़ाना, आर.एन.आई. नबंर - MPHIN/2014/56594 (सभी विवादों का न्यायलय क्षेत्र इंदौर रहेगा)